वर्ष 1 | अंक 1 | अक्टूबर 2014 - मार्च 2015

कामधेनु

जैन विश्व भारती की गृह पत्रिका

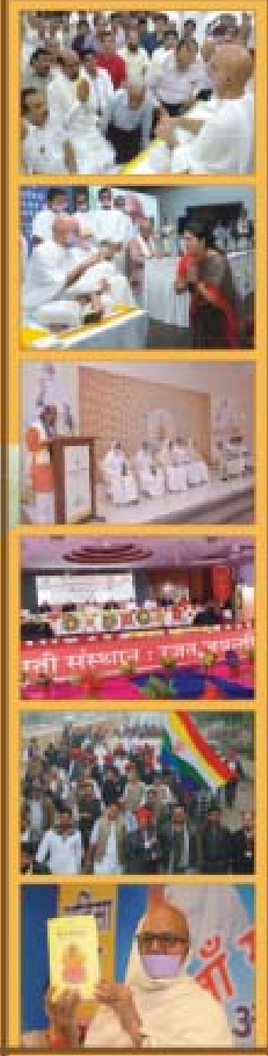

अन्तर्पृष्ठीय...

नई टीम : नई संभावनाएं
जैन विश्व भारती पर आचार्य प्रवर की अमृत वर्षा
मेगा प्रेक्षाध्यान शिविर
जैन विश्व भारती संस्थान : रजत जयंती वर्ष समारोह

जैन विश्व भारती
पोस्ट : लाडनूं - 341306, जिला : नागौर (राजस्थान)
फोन : + 91-1581-226025/080, फैक्स : 227280
ई-मेल : jainvishvabharati@yahoo.com
वेबसाईट : www.jvbharati.org

तुलसी उवाच्

जैन विश्व भारती समस्त भारतीय एवं प्राच्य आत्म-विद्याओं का केन्द्र है। इस संस्थान के माध्यम से आत्म-विद्याओं के शोध, अध्ययन एवं प्रसार की विभिन्न प्रवृत्तियों का संचालन हो रहा है। जैन विश्व भारती एक ऊर्ध्वमान संस्था है। मैं इसके उज्ज्वल भविष्य के प्रति तनिक भी संदिग्ध नहीं हूँ, क्योंकि सम्पूर्ण श्रावक समाज इसके विकास की दृष्टि से जागरूक है। अधिकारी वर्ग अपने दायित्व निर्वहन के प्रति सचेष्ट हैं। विद्वत वर्ग भी समय-समय पर अपने बहुमूल्य सुझावों के माध्यम से इस संस्थान को सींच रहा है। यदि जागरूकता, दायित्व-निर्वहन एवं सिंचन का क्रम बराबर चलता रहे तो मेरा आत्मविश्वास कहता है कि यह संस्थान अपनी गति से आगे बढ़ता हुआ न केवल जैन समाज के लिए अपितु समग्र मानव समाज के लिए एक वरदान सिद्ध होगा।

-आचार्य तुलसी

महाप्रज्ञ उवाच्

जैन विश्व भारती और जैन विश्व भारती संस्थान जैन विद्या का विश्व प्रसिद्ध केन्द्र है। भारत के छह प्राचीन धर्मों में एक जैन धर्म है। इसके पास ज्ञान की विशाल राशि है। इसकी मिट्टी में सात सकारों की खोज हैं। आचार्यश्री तुलसी का तप तेजस्वी सूर्य है, जो इसकी उर्वरा को बढ़ाएगा। ज्ञान का स्रोत है, दर्शन का संरक्षण है, चरित्र की हवा है। जिससे यह बगीचा प्राच्य विद्याओं के फूलों की सुगंध को, सुवास को क्षितिज पर फैलाएगा। उस सुवास और सौरभ से विश्व मानस प्रभावित हो, जीवन बोध पाएगा।

- आचार्य महाप्रज्ञ

जय-जय ज्योति चरण : जय-जय महाश्रमण

आचार्यश्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा की सफलता एवं सुफलता हेतु मंगलकामनाएं

अहिंसा यात्रा

सद्भावना • मैत्रीकरण • नशामुक्ति

अहिंसा यात्रा : संकल्प

मैं सद्भावपूर्ण व्यवहार करने का प्रयत्न करूंगा।
मैं यथासंभव ईमानदारी का पालन करूंगा।
मैं नशामुक्त जीवन जीऊंगा।

3 देश

12 राज्य

10000 से अधिक किलोमीटर की पदयात्रा

श्रद्धाप्रणत : जैन विश्व भारती परिवार

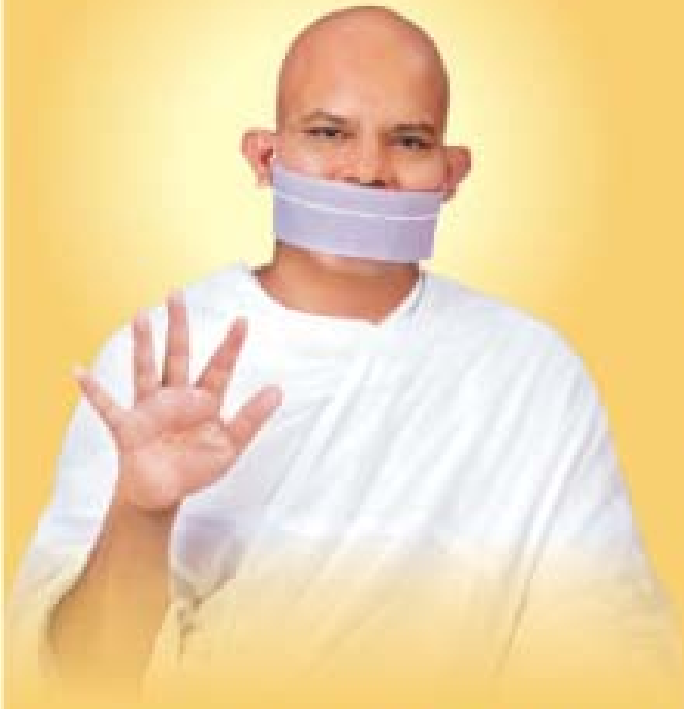

आशीर्वचन

जैन विश्व भारती एक 'कामधेनु' है, जिसे गुरुदेव तुलसी ने 'कामधेनु' कहा था। कितनी-कितनी गतिविधियां उसके द्वारा चल रही हैं और जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट (मान्य विश्वविद्यालय) भी उससे जुड़ा हुआ है। मैं तो ये सोचा करता हूं कि मां-बेटे का संबंध है। जैन विश्व भारती मां है तो जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट उसका सुपुत्र है। मां का काम है पुत्र का ध्यान रखना और पुत्र का काम है मां का ध्यान रखना। पहले मां-बाप बच्चों का ध्यान रखते हैं, पालते-पोसते हैं, पढ़ाते हैं, लिखाते हैं, बाद में बच्चों का फर्ज है मां-बाप का ध्यान रखना। इस प्रकार जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट का मां-बेटे का संबंध है।

जैन विद्या की सेवा जैन विश्व भारती के द्वारा हो रही है। साहित्य के क्षेत्र में बहुत बड़ा काम हो रहा है, आगमों का काम हो रहा है, सेवा का काम हो रहा है। हमारी समणियां जैन विश्व भारती में ही आवास ले रही हैं, हमारे कितने वृद्ध संत जैन विश्व भारती सेवाकेन्द में विराजित हैं। मुमुक्षु बहिनें, उपासिकाएं भी जैन विश्व भारती के परिसर में आवासित हैं। कितने-कितने आयाम, कितनी-कितनी गतिविधियां जैन विश्व भारती में हैं। अध्यक्ष धरमचंदजी लुंकड़, बच्छराजजी नाहटा आदि जैसे कार्यकर्ता संस्था से जुड़े हुए हैं, वे जैन विश्व भारती को और अधिक आध्यात्मिक दृष्टि से आगे बढ़ाने का, शैक्षिक दृष्टि से आगे बढ़ाने का प्रयास करें, खूब अच्छा चिंतन-मनन करें और अच्छा चिंतन, अच्छा निर्णय और अच्छी क्रियान्विति हो। केवल चिन्तन हो जाये और निर्णय न हो तो पूरा काम नहीं होता। निर्णय भी हो जाये और क्रियान्विति नहीं हो तो भी पूरा काम नहीं होता। चिंतन, निर्णय और क्रियान्विति तीनों में ज्यादा फासला नहीं होना चाहिए। परमपूज्य गुरुदेव तुलसी ने फरमाया था कि चिंतन, निर्णय और क्रियान्विति में अनअपेक्षित ज्यादा फासला नहीं होना चाहिए। चिंतन किया, फिर निर्णय करें, निर्णय किया फिर यथासमय क्रियान्विति करें।

जैन विश्व भारती एक गौरवशाली संस्था है। आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का मार्गदर्शन उस संस्था को मिला है और तेरापंथ समाज के पास इतनी बड़ी संस्था का आना एक प्रकार से समाज का मानो भाग्य है, तब इतनी बड़ी संस्था समाज के हाथ में आती है। यह संस्था अब तो युवावस्था में है। इस संस्था के द्वारा मानव जाति का कल्याण हो, इस संस्था के द्वारा जैन विद्या का खूब प्रचार-प्रसार हो। इस संस्था के द्वारा साहित्य के माध्यम से लोगों में ज्ञान वृद्धि हो और लौकिक सेवा का काम भी चल रहा है, जो समाज के लिए महत्वपूर्ण होता है। जैन विश्व भारती से तीन विद्यालय सीधे साक्षात जुड़े हुए हैं, उसके अन्तर्गत हैं तो स्कूलों के माध्यम से भी विद्यार्थियों को अच्छा नैतिक ज्ञान मिले, जीवन विज्ञान, जैन विद्या आदि का ज्ञान मिले। इस प्रकार जैन विश्व भारती, जिसे कामधेनु कहा जाये और जयकुंजर (विशालकाय हाथी) कहा जाये, कुछ भी कह दें, अपने आप में बहुत बड़ी संस्था है। लाडनूं जैसे सामान्य कस्बे में बड़ी संस्था है। लाडनूं सामान्य भले हो लेकिन गुरुदेव तुलसी की जन्मभूमि होने का गौरव उस शहर, उस नगर को प्राप्त है। गुरुदेवश्री तुलसी की जन्मभूमि के साथ जन्मभूमि पर जैन विश्व भारती और जैन विश्व भारती संस्थान है। ये संस्थान खूब अच्छा विकास करें। कितने-कितने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के माध्यम से ज्ञान-दान प्राप्त हो रहा है और उसकी कुलपति भी हमारी शिष्या समणी चारित्रप्रज्ञाजी हैं। समणीजी भी खूब अच्छा काम करती रहें, इंस्टीट्यूट को आगे बढ़ाने का प्रयास करती रहें। आध्यात्मिक, शैक्षिक दृष्टि से विश्वविद्यालय भी विकास करे। जैन विश्व भारती की छत्रछाया उसको मिलती रहे, साया उसको मिलता रहे और दोनों संस्थाएं खूब अच्छा विकास करें।

- आचार्य महाश्रमण

संजीवन बोल

जैन विश्व भारती तेरापंथ समाज की अखिल भारतीय स्तर की बहुउद्देश्यीय संस्था है। शिक्षा, बोध, सेवा, संस्कृति, संस्कार, साहित्य आदि इस संस्था की अनेक योजनाएं हैं। कुछ योजनाओं की क्रियान्विति हो चुकी है। जितनी क्रियान्विति हुई है, उतनी ही नई संभावनाएं फिर उसके साथ जुड़ती जा रही हैं। उन संभावनाओं को आकार देने के लिए समाज की छोटी-बड़ी (स्त्री-पुरुष) हर इकाई का दायित्व है कि वह अपनी संस्था को अपना, अपने समाज और देश का भविष्य मानकर उसके विकास में अपना योगदान दें।

- साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा

कामधेनु

जैन विश्व भारती की गृह पत्रिका

प्रकाशक
अरविन्द गोठी, मंत्री
जैन विश्व भारती

संपादक
महावीर बी. सेमलानी

सह-संपादक
राजेन्द्र खटेड़

जैन विश्व भारती
पोस्ट बॉक्स नं. 8,
पोस्ट - लाडनूं - 341 306
जिला - नागौर, राजस्थान (भारत)
दूरभाष : +91-1581-226025 / 089
फैक्स : +91-1581-227280
ई-मेल : jainvishvabharati@yahoo.com
वेबसाइट : www.jvbharati.org

मुद्रक
जयपुर पब्लिसिटी सेन्टर
डी-24, शांति पथ, तिलक नगर, जयपुर-04
फोन : 0141-2621061/62

अनुक्रम

तुलसी उवाच्	आचार्यश्री तुलसी	....
महाप्रज्ञ उवाच्	आचार्यश्री महाप्रज्ञ	....
आशीर्वचन	आचार्यश्री महाश्रमण	....
संजीवन बोल	साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभा	....
अध्यक्ष की कलम से	धरमचंद लुंकड़	02
संपादकीय	महावीर बी. सेमलानी	03
नई टीम : नई संभावनाएं	जैन विश्व भारती : टीम 2014-16	
पदाधिकारीगण		4
न्यास मण्डल		5
संचालिका समिति, पंच मण्डल, परामर्शकगण एवं विभाग /समितियां		6
विशेष आमंत्रित सदस्य		7
द्विवर्षीय विकास योजना	विजन 2014-16	08
अमृत पुरुष की अमृत वाणी	पूज्यप्रवर के श्रीमुख से	09
पूज्यप्रवर का आशीर्वाद व पावन सान्निध्य	जैन विश्व भारती टीम को	10
प्रगति पदचिह्न	संस्था की विकास यात्रा के छह माह	11
जैन विश्व भारती को मिला—नया नेतृत्व		12
नई टीम : अभिनंदन समारोह		13
सबका साथ : संस्था का विकास		14
जैन विश्व भारती संस्थान		15-17
जैन विश्व भारती संस्थान : रजत जयंती समारोह		18-24
शिक्षा विभाग का गठन		25
विमल विद्या विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय		26-27
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर		28-29
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, रामकोर		30-31
जीवन विज्ञान		32-34
समण संस्कृति संकाय		35-36
शिक्षा संपोषण योजना		37
साहित्य विभाग		38-40
साहित्य संपोषण योजना		41
प्रेक्षाध्यान		42-49
आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी समारोह		50
परिसर विकास/सौन्दर्यीकरण		51-55
सुरक्षा व्यवस्था का दुरुस्तीकरण		56
मीडिया व प्रचार-प्रसार		57-58
स्वच्छ परिसर : स्वस्थ परिसर		59
कर्मचारी प्रोत्साहन परियोजना		60
न्यास मंडल व संचालिका समिति की बैठकें		61-62
विमित्र संस्थाओं के साथ सहयोग व समन्वय		63-64
पदारोहणों का पदार्पण		65
संतपुरुषों का शुभागमन		66
विविध		67
प्रवर्धित परिवार : नए सदस्य		68-69
आगामी कार्यक्रम		70

अध्यक्ष की कलम से

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की कृपा दृष्टि व आशीर्वाद से मुझे तेरापंथ की प्रतिष्ठित संस्था और समाज की कामधेनु **जैन विश्व भारती** के अध्यक्ष पद पर पदासीन होकर धर्मसंघ की सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। जैन विश्व भारती समाज की एक गौरवपूर्ण संस्था है। परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी, परमपूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी और परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी जैसे धर्मसंघ के तीन-तीन महान आचार्यों का पावन पथदर्शन एवं सुदीर्घ सान्निध्य इस संस्था को प्राप्त हुआ है। मैं तीनों पूज्यपाद आचार्यों के प्रति अपनी अनन्त श्रद्धा समर्पित करता हूं। समाज के अनेकानेक कार्यकर्ताओं ने अपनी श्रम बूंदों से जैन विश्व भारती को पूज्यवरों के स्वप्नों के अनुरूप प्रगति के पथ पर अग्रसर करने का सार्थक प्रयास किया है। मैं उन सभी नींव के पत्थर कार्यकर्ताओं एवं पूर्व सभी पदाधिकारियों को याद करता हुआ उनके प्रति अत्यन्त आदर के भाव प्रकट करता हूं।

जैन विश्व भारती की वर्तमान टीम के कार्यकाल के छह माह सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुके हैं। इस समयावधि में परमपूज्य आचार्यप्रवर की कृपादृष्टि, आशीर्वाद व महनीय मार्गदर्शन, आदरास्पद साध्वी प्रमुखाश्रीजी एवं श्रद्धेय मंत्री मुनिप्रवर का पावन पथदर्शन व्यक्तिशः मेरे लिए एवं पूरी टीम के लिए विशेष ऊर्जा का स्रोत रहा। मैं सर्वप्रथम पूज्यप्रवर के श्रीचरणों में अपनी तथा पूरी टीम की ओर से अनन्त-अनन्त श्रद्धा समर्पित करता हुआ हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। साध्वी प्रमुखाश्रीजी, मंत्री मुनिप्रवर एवं चारित्रात्माओं व समणीवृंद के पावन पथदर्शन हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

टीम की एकजुटता एवं संपूर्ण समाज के सहयोग से हमने विकास के कुछ कदम आगे बढ़ाए हैं। सम्पूर्ण समाज से मुझे व्यक्तिशः जो स्नेह व सम्मान भाव प्राप्त हुआ है तथा जैन विश्व भारती व जैन विश्व भारती संस्थान की गतिविधियों हेतु जो उदार सहयोग व उत्साहपूर्ण सहभागिता प्राप्त हुई है, वह शब्दातीत है। पूरी टीम के समन्वय भाव एवं उल्लेखनीय सहयोग हेतु हार्दिक आभार ज्ञापित करता हूं। संपूर्ण समाज के सहयोग हेतु आभार ज्ञापित करता हूं। इन छह महीनों में आयोजित विविध कार्यक्रमों की अपार सफलता एवं गतिविधियों के उल्लेखनीय विकास का सारा श्रेय पूरी टीम व समाज को जाता है।

पद एक व्यवस्था होती है। मैं व्यवस्थागत दृष्टि से जैन विश्व भारती का अध्यक्ष बना हूं लेकिन कार्य की दृष्टि से कार्यकर्ता की तरह हम सब समान हैं। जैन विश्व भारती के कुलपति आदरणीय श्री बच्छराज नाहटा का सतत मार्गदर्शन संस्था को प्राप्त है। मेरे साथ मुख्य न्यासी श्री प्यारेलाल पितलिया एवं सभी न्यासीगण हर समय, हर कदम पर संस्था विकास हेतु तैयार हैं। मंत्री श्री अरविन्द गोठी अत्यन्त सक्रियता व सूझबूझ के साथ संस्था की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखते हुए गतिविधियों के विकास हेतु मेरे अनन्य सहयोगी के रूप में सदैव मेरे साथ हैं। सभी पदाधिकारीगण, संचालिका समिति सदस्यगण, परामर्शकगण सबके समन्वित सहयोग, सद्भावना एवं सामूहिक प्रयास से ही संस्था का विकास संभव हो रहा है। मैं मंगलकामना करता हूं कि जिस प्रकार मेरी पूरी टीम व संपूर्ण समाज ने अभी तक जैन विश्व भारती की सभी गतिविधियों के विकास में यथाशक्ति तन-मन-धन से सहयोग एवं सहभागिता प्रदान की है, उसमें निरंतरता बनी रहे।

जैन विश्व भारती द्वारा अनेक लोक कल्याणकारी प्रवृत्तियां एवं योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनसे न केवल तेरापंथ समाज अपितु सम्पूर्ण जैन समाज परिचित हो तथा इनसे लाभान्वित हो, इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने कार्यकाल के प्रारम्भ से ही त्रैमासिक गृह पत्रिका '**कामधेनु**' के पुनः प्रकाशन का निर्णय किया एवं जैन विश्व भारती के मीडिया व प्रचार-प्रसार विभाग के राष्ट्रीय संयोजक श्री महावीर सेमलानी तथा निदेशक श्री राजेन्द्र खटेड़ को यह दायित्व प्रदान किया। किन्हीं कारणों से अक्टूबर-दिसम्बर 2014 का प्रथम अंक प्रकाशित नहीं हो पाया। अतः इसे अक्टूबर 2014 से मार्च 2015 के छमाही अंक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इन दोनों महानुभावों के सहयोग व श्रम से अभिसिंचित 'कामधेनु' का इस सत्र का यह प्रथम अंक आप तक पहुंचाते हुए हम हर्षाभिभूत हैं।

आईये! हम सब मिलकर परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन दिशा-निर्देशन में जैन विश्व भारती के कल्पनाकार गणाधिपति पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी की इन पंक्तियों के साथ जैन विश्व भारती के विकास में योगपूत बनने का संकल्प करें–

प्रभो! तुम्हारे पावन पथ पर जीवन अर्पण है सारा।
बढ़े चलें हम रुकें न क्षण भी, हो यह दृढ़ संकल्प हमारा॥

आशा है 'कामधेनु' पत्रिका जिस लक्ष्य के साथ प्रकाशित की जा रही है उसमें हमें शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त होगी।

– धरमचन्द लुंकड़

संपादकीय

लगभग ढाई वर्षों के अंतराल के पश्चात जैन विश्व भारती की त्रैमासिक गृह पत्रिका '**कामधेनु**' का नया अंक आपके हाथों में प्रस्तुत करते हुए अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

कामधेनु का यह अंक जैन विश्व भारती के उन सृजनशील समुत्थानवादी विकासकार्यों पर केंद्रित है, जिसे वर्तमान अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ एवं उनकी टीम ने छह महीनों में सम्पूर्ण समाज के सहयोग एवं भारी समर्थन से जैन विश्व भारती को नए क्षितिज की ओर अग्रसर किया है।

दिनांक 18 सितंबर 2014 को परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से श्री धरमचन्दजी लुंकड़ ने जैन विश्व भारती के नए अध्यक्ष के रूप में नयी टीम के साथ कार्यभार संभाला। '**सबका साथ : संस्था का विकास**' इस ध्येय वाक्य के साथ नई टीम तेरापंथ धर्मसंघ की कामधेनु संस्था जैन विश्व भारती को नई ऊंचाइयां देने हेतु जुट गई। अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ ने मुझे जैन विश्व भारती के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग के राष्ट्रीय संयोजक का दायित्व प्रदान किया एवं दिनांक 15-16 नवम्बर 2014 को लाडनूं में आयोजित चिंतन बैठक में 'कामधेनु' पत्रिका के पुनः प्रकाशन व सम्पादन की जिम्मेदारी मुझे सौंपी। उसी क्रम में इस अंक के प्रकाशन के साथ कामधेनु पत्रिका का सफर पुनः प्रारम्भ हो रहा है।

अपनी स्थापना से लेकर अब तक जैन विश्व भारती ने आचार्यश्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञ एवं आचार्यश्री महाश्रमण के सपनों को साकार करने की दिशा में विविध कदम उठाए हैं। नयी टीम ने अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ एवं मुख्य न्यासी श्री प्यारेलाल पितलिया के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में चरणन्यास किया है। संस्था परिसर का हरितिकरण एवं सुशोभितीकरण, सम्पूर्ण परिसर को वाई-फाई सेवा एवं सीसीटीवी कैमरा से लैस करना, विमल विद्या विहार स्कूल आदि इमारतों की मरम्मत कार्य, जैन विश्व भारती संस्थान का चहुंमुखी विकास, शिक्षा कार्य को दूर-दूर तक पहुंचाने हेतु वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग सेवा का लोकार्पण, जीवन विज्ञान भवन में भगवान महावीर रिसर्च सेन्टर की स्थापना, शिक्षा सम्पोषण योजना, साहित्य संपोषण योजना, लाडनूं नगरवासियों के साथ मिलकर 'स्वच्छ लाडनूं-स्वस्थ लाडनूं अभियान', महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर एवं जयपुर का समन्वित विकास आदि अनेकों उपक्रम संस्था को नव विकास की ओर उन्मुख करने वाले बन रहे हैं।

मीडिया के क्षेत्र में भी बदलते हुए परिवेश के साथ कदम मिलाते हुए नए माध्यमों का उपयोग करते हुए संस्था के विभिन्न कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। वेबसाइट, सोशल मीडिया, ब्लॉग्स आदि के माध्यम से संस्था के उपक्रमों के साथ लोगों को जोड़ने का प्रयास सफल होता हुआ प्रतीत हो रहा है।

इस कार्यकाल में एक और शुभ संयोग जुड़ा है मातु संस्था जैन विश्व भारती द्वारा जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयन्ती वर्ष को आयोजित करने का। संस्थान के रजत जयंती वर्ष के शुभारम्भ के अवसर पर दिनांक 20-21 मार्च 2015 को देश-विदेश से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनों की प्रमुख उपस्थिति में संस्था परिसर स्थित सुधर्मा सभागार में आयोजित समारोह अत्यंत सफल रहा। इन 25 वर्षों में संस्थान द्वारा किया गया शिक्षा दान एवं शोध का कार्य आज संस्थान को एक वैश्विक पहचान देने में सफल बना है। पूरे वर्ष तक चलने वाले रजत जयंती समारोह का द्वितीय चरण चेन्नई में 20 मई 2015 को एवं तृतीय चरण बैंगलोर में 6 जून 2015 को आयोजित होने जा रहा है। संस्थान नित नयी ऊंचाइयां छूता रहे यही मंगलकामना है।

पूज्यप्रवर के पावन आशीर्वाद, कार्यकर्ताओं के परिश्रम एवं आप सबके सहयोग से जैन विश्व भारती ने सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। संस्था को नेतृत्व प्रदान कर रहे कर्णधारों के समक्ष संभावनाओं का असीम आकाश भी है, उत्साह भी है और जज्बा भी। संस्था की इस विकास यात्रा को प्रतिबिंबित कर देश-विदेश के पाठकों तक पहुंचाने में यह '**कामधेनु**' पत्रिका योगभूत बनेगी ऐसी आशा करता हूं।

इस पत्रिका के प्रकाशन एवं सम्पादन में पूज्यप्रवर के आशीर्वाद, साध्वीप्रमुखाश्रीजी एवं मंत्री मुनिश्री के वात्सल्य भाव ने मुझे सम्पादन कार्य करने की अनन्त शक्ति प्रदान की। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी जिनका मार्गदर्शन मुझे मिलता रहा है। अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़, मंत्री श्री अरविन्द गोठी, सभी पदाधिकारीगण, न्यास मंडल एवं संचालिका समिति के सभी सदस्यों का मुझ पर अनन्य विश्वास, मीडिया सहसंयोजक श्री संजय बेदमेहता एवं निदेशक श्री राजेन्द्र खटेड़ का सम्पादन में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है।

सभी के प्रति कृतज्ञता एवं आभार के भावों के साथ - **ॐ अर्हम्**!!

- महावीर बी. सेमलानी

नई टीम : नई संभावनाएं

जैन विश्व भारती टीम सत्र 2014-16

कुलपति

श्री बच्छराज नाहटा

पदाधिकारीगण

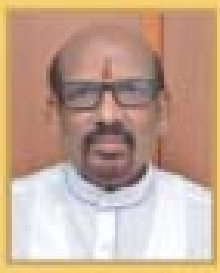

श्री धरमचंद लुंकड़
अध्यक्ष

श्री ताराचंद रामपुरिया
निवर्तमान अध्यक्ष

श्री मनोज कुमार लूनिया
वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्री जे. गौतम चन्द रेतिया
उपाध्यक्ष

श्री जीवनमल जैन (मालू)
उपाध्यक्ष

श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'
उपाध्यक्ष

श्री संजय खटेड़
उपाध्यक्ष

श्री अरविन्द गोठी
मंत्री

श्री गौरव जैन (भांडेत)
संयुक्त मंत्री

श्री राजेश एम जैन (मरलेचा)
संयुक्त मंत्री

श्री प्रमोद बेद
कोषाध्यक्ष

नई टीम : नई संभावनाएं

न्यास मण्डल

श्री पी. प्यारेलाल पितलिया
मुख्य न्यासी

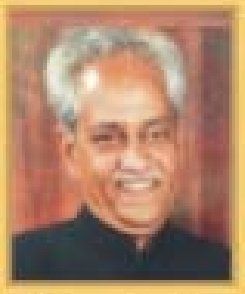

श्री भागचन्द बडेरिया
न्यासी

श्री भैरवन्द गोगड़
न्यासी

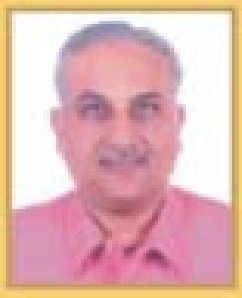

श्री बी. रमेशचन्द बोहरा
न्यासी

श्री जी. सुकनराज परमार
न्यासी

श्री छगनीलाल एम. तातेड़
न्यासी

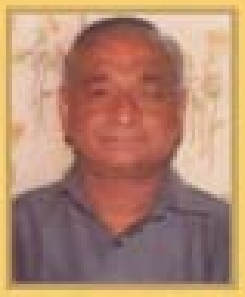

श्री मूलचंद नाहर
न्यासी

श्री रघुवीर चन्द जैन
न्यासी

नई टीम : नई संभावनाएं

संचालिका समिति सदस्य

01. श्री अभिषेक कोठारी, फरीदाबाद
02. श्री अनिल धाकड़, मुम्बई
03. श्री अशोक जैन, पुणे
04. श्री बी. केवलचन्द मांडोत, चेन्नई
05. श्री बाबूलाल गोलछा, गाजियाबाद
06. श्री बाबूलाल सेखानी, अहमदाबाद
07. श्री बजरंग कुमार सेठिया, सिलीगुड़ी
08. श्री दानमल पोरवाल, भिलाई
09. श्री दीपचन्द नाहर, बैंगलोर
10. श्री गणपतराज डागा, चेन्नई
11. श्री घीसूलाल बोहरा, चेन्नई
12. श्री इन्दर कुमार बैंगानी, दिल्ली
13. श्री जे. भैरूलाल जैन, चेन्नई
14. श्री जसराज बुरड़, अहमदाबाद
15. श्री जसराज मालू, दिल्ली
16. श्री जेसराज सेखानी, दिल्ली
17. श्री जेठमल मेहता, दिल्ली
18. श्री कैलाश डागा, जयपुर
19. श्री कमलसिंह बटेड़, दिल्ली
20. श्री कुलदीप प्रकाश बैद, मुम्बई
21. श्री लक्ष्मीपत दुधेड़िया, बैंगलोर
22. श्री एम. महावीरचन्द राठौड़, चेन्नई
23. श्री मांगीलाल छाजेड़, मुम्बई
24. श्री मनोहरलाल हिरण, चेन्नई
25. श्री नरेन्द्र बरमेचा, दिल्ली
26. श्री पी. मोहन जैन (गादिया), बैंगलोर
27. श्री पांची जैन, दिल्ली
28. श्री प्रमोद जैन, बरवाला
29. श्री प्रदीप बरड़िया, लाडनूं
30. श्री पुखराज बहीला, चेन्नई
31. श्री राजकुमार सुराणा, सिकन्दराबाद
32. श्री राजेन्द्र प्रेमचन्द पोखावत, माधव नगर
33. श्री राजेश कोठारी, चेन्नई
34. श्री राजकरण बैद, चेन्नई
35. श्री राकेश एस. कठोतिया, मुम्बई
36. श्री रमेश कुमार पटावरी, इरोड़
37. श्री रणजीत कुमार मालू, गुवाहाटी
38. श्री ललित लोढ़ा, मुम्बई
39. श्री संजय भंसाली, सूरत
40. श्री संजय कोठारी, रायपुर
41. श्री शान्तिलाल गोलछा, जयपुर
42. श्री सुनील एस. कच्छारा, डोम्बीवली
43. श्रीमती सूरज बरड़िया, कोलकाता
44. श्री सुरेन्द्र जैन (एडवोकेट), भिवानी
45. श्री सुरेशचन्द गोयल, कोलकाता
46. श्री सुशील कुमार कुहाड़, दिल्ली
47. श्री टी. अमरचन्द जैन, चेन्नई
48. श्री वी. प्रेमराज जैन, बैंगलोर
49. श्री विजयचन्द पोखावत, जयसिंगपुर
50. श्री विमलचन्द्र रुणवाल, जयसिंगपुर
51. श्री विमल कटारिया, बैंगलोर

वित्त सलाहकार

01. श्री राजेश कोठारी, चेन्नई

पंच मंडल सदस्य

01. श्री बी. जुगराज नाहर, चेन्नई
02. श्री भूरामल श्यामसुखा, इन्दौर
03. श्री रूपचन्द दूगड़, मुम्बई

परामर्शक मण्डल सदस्य

01. श्री देवराज नाहर, बैंगलोर
02. श्री दिलीप सुराणा, बैंगलोर
03. श्री गौतमचन्द समदड़िया, चेन्नई
04. श्री एन. तेजराज जैन (पुनमिया), चेन्नई
05. श्री रणजीतसिंह कोठारी, कोलकाता
06. श्री एस. प्रसन्न जैन, दिल्ली
07. श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया, कोलकाता
08. श्री विमल भंडारी, मुम्बई
09. श्री विनोद कुमार पोखावत, जयसिंगपुर

विभाग / समितियां

जीवन विज्ञान विभाग

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री मूलचंद नाहर, बैंगलोर	चेयरमैन
02.	श्री ख्यालीलाल तातेड़, मुंबई	को-चेयरमैन
03.	श्री सुरेश कोठारी, इंदौर	राष्ट्रीय संयोजक

मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री महावीर बी. सेमलानी, सूरत	राष्ट्रीय संयोजक
02.	श्री संजय वेदमेहता, इचलकरंजी	राष्ट्रीय सह-संयोजक

समण संस्कृति संकाय

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री मालचंद बेगानी, दिल्ली	विभागाध्यक्ष
02.	श्री नितेश बैद, चेन्नई	निदेशक

साहित्य विभाग

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी', मुंबई	राष्ट्रीय संयोजक
02.	श्री मांगीलाल छाजेड़, मुंबई	राष्ट्रीय सह-संयोजक

शिक्षा विभाग

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री मनोज लूनिया, शिलौंग	राष्ट्रीय संयोजक
02.	श्री अमरचंद लुंकड़, चेन्नई	राष्ट्रीय सह-संयोजक

वित्त नियोजन विभाग

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री प्रमोद बैद, कोलकाता	राष्ट्रीय संयोजक
02.	श्री राजेश कोठारी, चेन्नई	राष्ट्रीय सह संयोजक

प्रेक्षा फाउण्डेशन

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री जी. सुकनराज परमार, चेन्नई	चेयरमैन
02.	श्री राजेन्द्र मोदी, इन्दौर	राष्ट्रीय संयोजक

जैन विश्व भारती, अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री राकेश बोहरा, दुबई	अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर प्रबंधन समिति

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री रणजीतसिंह कोठारी, कोलकाता	चेयरमैन

विशेष आमंत्रित सदस्य

01. श्री अलंकार डी. आच्छा, चेन्नई
02. श्री अमृत खटेड़, नवी मुंबई
03. श्री बाबूलाल कच्छारा, मुंबई
04. श्री बजरंगलाल बोथरा, नोएडा
05. श्री बनेचंद मालू, कोलकाता
06. श्री बसंत कुमार पारख, कोलकाता
07. श्री बसंत सुराणा, गुवाहाटी
08. श्री भंवरलाल कर्णावट, मुंबई
09. श्री भीखमचंद पुगलिया, मुंबई
10. श्री बिमल ओसवाल, धुबड़ी
11. श्री चैनरूप चिण्डालिया, कोलकाता
12. श्री धनपत सिंह दूगड़, कोलकाता
13. श्री दिलीप बैद, जयपुर
14. श्री ज्ञानचंद आंचलिया, सिरकाली
15. श्री हंसराज बैताला, भागलपुर
16. श्री हंसराज डागा, बीकानेर
17. श्री हनुमानचंद लूंकड़, सिन्धनूर
18. श्री हसमुख आर. मेहता, मुंबई
19. श्री ईश्वरचंद बैद, नोखा
20. श्री जब्बरमल दूगड़, मुंबई
21. श्री जसकरण चोपड़ा, सूरत
22. श्री जितेन्द्र नाहटा, कोलकाता
23. श्री कन्हैयालाल जैन, दिल्ली
24. श्री कन्हैयालाल डूंगरवाल, गुवाहाटी
25. श्री केवलचंद जैन, रायपुर
26. श्री किशनलाल दूगड़, बिराटनगर
27. श्री लक्ष्मीलाल बाफना, उधना
28. श्री लोकमान्य गोलछा, काठमांडू
29. श्री लूणकरण छाजेड़, गंगाशहर
30. श्री एम. भंवरलाल लूंकड़, चेन्नई
31. श्री महावीरचंद गादिया, बैंगलोर
32. श्री महेन्द्र कुमार कोठारी, कांकरोली
33. श्री मांगीलाल सेठिया, दिल्ली
34. श्री मर्यादा कुमार कोठारी, जोधपुर
35. श्री नरेश कुमार मेहता, जयपुर
36. श्री नवरतनमल बच्छावत, होस्पेट
37. श्री निर्मल जैन, ठाणे
38. श्री निर्मल कुमार कोटेचा, गुवाहाटी
39. श्री निर्मल एम. रांका, कोयम्बटूर
40. श्री नितेश बैद, दिल्ली
41. श्री पंकज ओस्तवाल, भीलवाड़ा
42. श्री पन्नालाल बैद, जयपुर
43. श्री पारस बोहरा, कोलकाता
44. श्री प्रकाशचंद बैद, कोलकाता
45. श्री प्रमोद देवीलाल छाजेड़, नवी मुंबई
46. श्री प्रेमराज बम्बोली, लुधियाना
47. श्रीमती पुष्पादेवी कटारिया, पुणे
48. श्री रघुवीरचंद थानेदार, धुरी
49. श्री राजकरण सिरोहिया, कोलकाता
50. श्री राजेन्द्र कुमार बच्छावत, कोलकाता
51. श्री राजकुमार बरड़िया, जयपुर
52. श्री राजकुमार भूतोड़िया, हैदराबाद
53. श्री राजकुमार नाहटा, दिल्ली
54. श्री रमेशचंद सुराणिया, कोयम्बटूर
55. श्री रमेश खटेड़, चेन्नई
56. श्री रमेश कुमार धाकड़, मुंबई
57. श्री रिखबचंद सुराणा, गुवाहाटी
58. श्रीमती एस. माला कातरेला, चेन्नई
59. श्री संपत भण्डारी, सिकन्दराबाद
60. श्री संपत सामसुखा, भीलवाड़ा
61. श्री संजय एस. धारीवाल, बैंगलोर
62. श्रीमती सायर बैंगानी, दिल्ली
63. श्री शांतिलाल सकलेचा, सूरत
64. श्री शांतिलाल बरमेचा, मुंबई
65. श्री सुखराज सेठिया, दिल्ली
66. श्री सुमतिचंद गोठी, मुंबई
67. श्री सुमेरमल सुराणा, कोलकाता
68. श्री सुरेन्द्र कुमार दूगड़, कोलकाता
69. श्री सुरेन्द्र कुमार जैन घोसल, दिल्ली
70. श्री सुरिन्दर कुमार मित्तल, मंडी गोबिन्दगढ़
71. श्री सवाईलाल पोखरना, उदयपुर
72. श्री तनसुखलाल नाहर, चेन्नई
73. श्री तनसुखलाल बैद, पटना
74. श्रीमती तारादेवी सुराणा, कोलकाता
75. श्री विजयसिंह चोरड़िया, कोलकाता
76. श्री विजयराज बोहरा, चेन्नई
77. श्री विनोद कुमार बांठिया, सूरत
78. श्री विनोद लुनिया, कोयम्बटूर

द्विवर्षीय विकास योजना

विजन 2014-16

शिक्षा : विद्यालय

- जैन विश्व भारती के अन्तर्गत संचालित तीन विद्यालयों के लिए सभी प्रकार की आवश्यकताओं व सुविधाओं की पूर्ति का लक्ष्य।
- शिक्षा संबंधी सारी ईकाइयों के व्यवस्थित एवं एकरूप संचालन की दृष्टि से जैन विश्व भारती की एक शैक्षणिक नीति निर्धारित करने का लक्ष्य।
- तीनों विद्यालयों की एकरूपता की दृष्टि से एक ड्रेस कोड की व्यवस्था पर चिन्तन।
- विद्यालयों के शैक्षणिक स्तर एवं गुणवत्ता में सुधार तथा आधुनिक संसाधनों की व्यवस्था पर चिन्तन।
- तीनों विद्यालयों में जीवन-विज्ञान प्रभावी रूप से लागू करने का प्रयास।
- विद्यालयों को आर्थिक दृष्टि से आत्म-निर्भर बनाने की दिशा में प्रयास।

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय

- जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के विकास व विस्तार के लिए अपेक्षित आर्थिक व्यवस्था या किसी भी प्रकार की संबद्ध आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रयास।
- जैन विश्व भारती एवं विश्वविद्यालय का परस्पर समन्वय रखते हुए दोनों संस्थाओं के विकास का लक्ष्य।
- विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग को सशक्त बनाते हुए पत्राचार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों की संख्या 10-12 हजार पहुंचाने का लक्ष्य ताकि विश्वविद्यालय आर्थिक दृष्टि से आत्म-निर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सके।

साहित्य

- आगम साहित्य को महत्व देते हुए अप्रकाशित आगमों के तुरन्त प्रकाशन की व्यवस्था की जायेगी।
- साहित्य के समुचित प्रचार-प्रसार के लिए भारत के चार दिशा-अंचलों में चार बिक्री केन्द्रों की स्थापना।
- साहित्य को बार-कोडिंग प्रणाली के साथ जोड़ कर व्यवस्था को सुगम व सुदृढ़ बनाने का प्रयास।
- साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए भिन्न-भिन्न स्थानों पर आयोजित पुस्तक मेलों में सहभागिता का प्रयास।

प्रेक्षाध्यान

- प्रेक्षाध्यान के व्यापक प्रचार-प्रसार का प्रयास।
- अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र को प्रेक्षाध्यान का प्रमुख केन्द्र बनाने व इस भवन के शेष कार्य को शीघ्र पूरा करवा कर इसके साथ एक विश्रांति निलयम् के निर्माण का लक्ष्य।
- 'प्रेक्षा कॉर्ड योजना' से अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर इस केन्द्र को प्रभावी व उपयोगी बनाने का प्रयास।
- लाडनूं में आयोजित शिविरों में संख्या बढ़ाने के लिए जेटीएन एवं अन्य प्रचार माध्यमों से प्रयास।
- प्रेक्षावाहिनीयों की संख्या बढ़ाकर प्रेक्षाध्यान के नेटवर्क को मजबूत बनाने का सकारात्मक प्रयत्न।

जीवन विज्ञान

- जीवन विज्ञान को प्राथमिक शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए राज्य शिक्षा मंत्रालयों से सम्पर्क और सघन प्रयास। अगर सरकारी स्तर पर यह संभव हो जाये तो जीवन विज्ञान के लिए शिक्षक तैयार करना।
- विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान विभाग विज्ञान को सशक्त बनाने का प्रयास। यहां से डिग्री प्राप्त करने वालों को विद्यालयों में जीवन विज्ञान की कक्षा के लिए रोजगार मिलेगा अगर प्राथमिक शिक्षा के साथ जीवन विज्ञान सरकारी स्तर पर जुड़ पाता है। केवल राजस्थान में ही इसकी शुरूआत होती है तो 7000 प्राथमिक विद्यालय हमें मिलते हैं।
- जीवन विज्ञान के 50 प्रतिशत प्रशिक्षक तैयार करने का प्रयास ताकि वे प्रभावी ढंग से जीवन विज्ञान को प्रस्तुत कर सकें।
- देश भर में संचालित जीवन विज्ञान अकादमियों से निरन्तर संपर्क रखते हुए जीवन विज्ञान का प्रचार-प्रसार एकरूप तरीके से करना।
- जीवन विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र के भवन के सुनियोजित उपयोग के लिए प्रयास।

जैन विद्या का विकास

- जैन विद्या के व्यापक प्रचार-प्रसार करने की दिशा में प्रयास।
- परिक्षार्थियों की संख्या दस हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य।
- देशभर में जैन विद्या कार्यशालाओं का आयोजन कर जैन विद्या के प्रति रुचि उत्पन्न करने का प्रयास।

अन्यान्य

- जैन विश्व भारती कैम्पस को और अधिक सुन्दर और मनोरम बनाने का प्रयास।
- जैन विश्व भारती की पानी, बिजली एवं ड्रेनेज व्यवस्था को ठीक करने का लक्ष्य।
- अर्थ की कमी से जैन विश्व भारती एवं विश्वविद्यालय का कोई कार्य बाधित नहीं होगा एवं जैन विश्व भारती के वर्तमान फण्ड को किसी भी हालत में कम नहीं किया जायेगा एवं न ही किसी योजना में उसे उपयोग किया जायेगा। किसी भी योजना के लिए नए सिरे से अनुदान प्राप्त करने का प्रयास।
- अधिक से अधिक लोगों को जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों व योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य।
- देश-विदेश की यात्रा कर जैन विश्व भारती की गतिविधियों के बारे में लोगों को बताकर उन्हें इनसे जुड़ने की अपील और अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य एवं विदेश के केन्द्रों को भी सशक्त करने का प्रयास।
- जैन विश्व भारती के व्यापक स्वरूप को 'कामधेनु' मैगजीन के माध्यम से समाज के समक्ष उजागर करने का प्रयास।
- व्हाट्सअप, यू-ट्यूब, ट्विटर आदि सोशल मीडिया व संस्कार चैनल, पारस चैनल, जेटीएन आदि अन्य प्रचार माध्यमों से जैन विश्व भारती के बारे में सुनियोजित व व्यापक प्रचार-प्रसार का लक्ष्य।
- आचार्यप्रवर के इंगित के अनुसार टीम भावना के साथ कार्य करने की प्राथमिक अनिवार्यता।

अमृत पुरुष आचार्यश्री महाश्रमणजी की अमृतवाणी से धन्य बनी जैन विश्व भारती

कानपुर मर्यादा महोत्सव के अवसर पर जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र की घोषणा के समय आचार्य प्रवर का उद्‌बोधन (दिनांक 24 जनवरी 2015)

हमारा एक सेवा केन्द्र इन वर्षों में जैन विश्व भारती, लाडनूं बना हुआ है। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष लुंकड़जी भी यहां आए हुए हैं। जैन विश्व भारती की साहित्यवाहिनी का भी आज लोकार्पण हुआ। लुंकड़जी जैन विश्व भारती के नये अध्यक्ष बने हैं। जैन विश्व भारती का खूब अच्छा आध्यात्मिक, शैक्षणिक, धार्मिक अच्छा विकास हो, इसके प्रति हम सबकी जागरूकता रहनी चाहिए। जैन विश्व भारती, लाडनूं में भी पिछले कुछ वर्षों से सेवाकेन्द्र बना हुआ है, हमारे वृद्ध संत या कुछ अक्षम संत जैन विश्व भारती में प्रवास कर रहे हैं, वहां वैसे सुविधा भी है। जैन विश्व भारती में दवाखाना भी है, चिकित्सा की सुविधा भी है, पास में मंगलम् हॉस्पिटल भी है। डॉ. घोड़ावत का भी योगदान मिल जाता है। वहां सुविधा भी है। जैन विश्व भारती में हमारा हमारे पूजनीय संतों का सेवाकेन्द्र है, जो मेरे से तो कितने रत्नाधिक संत विराजमान हैं तो मैं चाहूंगा इस बार 'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी की देखरेख में उनके संरक्षण में सहअणी मुनि मोहजीतकुमारजी आदि संत जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र की सेवा का दायित्व संभालें।

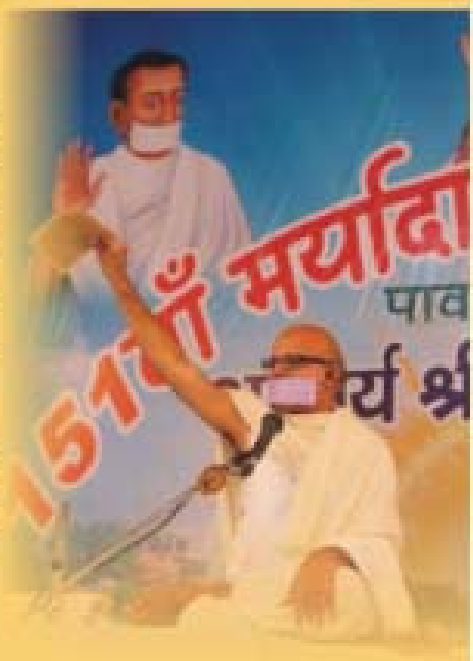

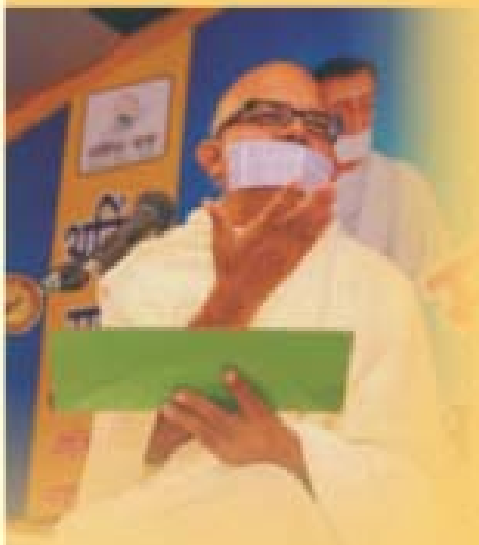

कानपुर मर्यादा महोत्सव के अवसर पर जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयन्ती वर्ष समारोह हेतु आशीर्वचन स्वरूप आचार्य प्रवर का उद्‌बोधन (दिनांक 26 जनवरी 2015)

जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट का रजत जयन्ती वर्ष आ रहा है। मुझे जानकारी मिली है कि इस मार्च महीने में उसका 25वां वर्ष शुरू होने जा रहा है। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष लुंकड़जी बता रहे थे कि इसके लिए जैन विश्व भारती ध्यान देगी क्योंकि जैन विश्व भारती तो मां है। विश्वविद्यालय की मां मैं जैन विश्व भारती को मानता हूं। मां का तो काम है अपने पुत्र का ध्यान रखना और सुपुत्र का काम है मां का ध्यान रखना। दोनों का संबंध है। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी विश्वविद्यालय को संभाल रही हैं, वर्षों से सेवा दे रही हैं। विश्वविद्यालय को संभालना बड़ी बात होती है। विश्वविद्यालय का यह 25वां वर्ष है। अच्छे ढंग से मनाया जाए। खूब आध्यात्मिक, शैक्षणिक गतिविधियां चले और जैन विश्व भारती खूब सक्रिय रहे और विश्वविद्यालय खूब अच्छा विकास करता रहे।

जैन विश्वभारती संस्थान के रजत जयन्ती वर्ष समारोह के दिनांक 20-21 मार्च 2015 को लाडनूं में आयोजित कार्यक्रम की जानकारी पूज्यप्रवर को निवेदन के पश्चात् आचार्य प्रवर का उद्‌बोधन (दिनांक 26 मार्च 2015)

जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी ने विश्वविद्यालय के सिल्वर जुबली कार्यक्रम के आयोजन के संदर्भ में जानकारी दी और पहले ही हमारे पास लुंकड़जी का एक संवाद पत्र आ गया था, उसमें विस्तार से जानकारी दी गई थी। खूब अच्छा विकास हो, खूब अच्छा काम हो। यह अक्षर युग पुस्तक भी आ गई है।

**परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी
का समय-समय पर आशीर्वाद,
पावन सान्निध्य एवं महनीय मार्गदर्शन
प्राप्त कर कृतार्थ हुई जैन विश्व भारती की टीम**

पूज्यप्रवर का मिला आशीर्वाद,
गूंजे टीम में कृतार्थ के नाद।
पाकर गुरुचरणों का प्रसाद,
टीम को हुआ अन्तर्मन से आह्लाद।।

प्रगति पदचिन्ह

संस्था की विकास यात्रा के छह माह

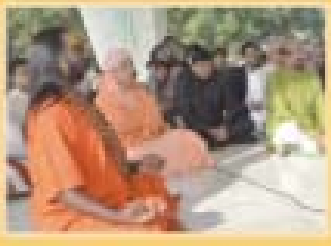

जैन विश्व भारती को मिला नया नेतृत्व

श्री धरमचन्द लुंकड़ बने जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं श्री प्यारेलाल पितलिया बने मुख्य न्यासी

दिनांक 18 सितम्बर, 2014 को दिल्ली में आयोजित जैन विश्व भारती की 43वीं वार्षिक साधारण सभा के अवसर पर नवनिर्वाचित नई टीम ने लिया आचार्यप्रवर से आशीर्वाद

दिनांक 25 सितम्बर, 2014 को अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ सहित नई टीम का जैन विश्व भारती पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

मंगल पाठ श्रवण के साथ टीम सहित अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ ने जैन विश्व भारती सचिवालय में किया दायित्व ग्रहण

नई टीम के दायित्व ग्रहण हेतु जैन विश्व भारती पहुंचने पर स्वागत में
'अभिनन्दन समारोह' का आयोजन (25 सितम्बर 2014, लाडनूं)

मंचस्थ समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी, विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी,
मुख्य अतिथि लाडनूं उपखण्ड अधिकारी श्री मुरारीलाल शर्मा एवं नवनिर्वाचित व नवमनोनीत टीम

संस्था के विकास का संकल्प लेकर जैन विश्व भारती के मंच से प्रथम उद्‌बोधन प्रदान करते हुए
अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड एवं मंत्री श्री अरविन्द गोठी

समारोह में उपस्थित लाडनूं नगर के गणमान्य महानुभाव

'सबका साथ : संस्था का विकास'
के उद्घोष के साथ
टीमबद्ध होकर लिया
विकास का संकल्प

जैन विश्व भारती की सभी इकाइयों व विभागों सहित विश्वविद्यालय के समन्वित रूप से विकास का निर्णय

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)

मातृ संस्था जैन विश्व भारती के संरक्षण में जैन विश्व भारती संस्थान का विकास

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) को यथा आवश्यकता पूर्ण सहयोग देने का संकल्प
संस्थान के प्रबंध मंडल की बैठक में मातृ संस्था जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण व न्यासीगण की उपस्थिति में भावी कार्ययोजना पर चिन्तन

जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी की अध्यक्षता में आयोजित
'यूथ टैलैंट 2014' कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथिगण के साथ मंचस्थ जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण

विख्यात दार्शनिक एवं वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. माले, पुणे का जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं में
'वेस्ट मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान के अवसर पर सम्मान करते हुए जैन विश्व भारती के
अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़ एवं कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान परिवार

जैन विश्व भारती संस्थान के जीवन विज्ञान एवं योग विभाग के अन्तर्गत साइकोलॉजी लैब के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण एवं लैब की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा

अणुव्रत भवन, दिल्ली में 'मंत्री मुनि' मुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी के मंगल पाठ एवं मुनिश्री उदितकुमारजी के पावन पदार्पण के साथ जैन विश्व भारती संस्थान के कार्यालय का शुभारम्भ

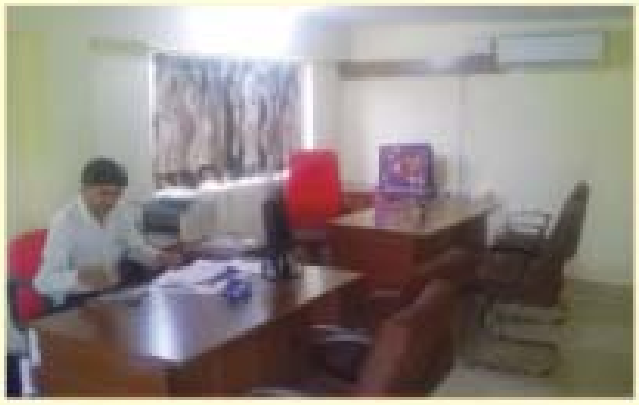

मातृ संस्था जैन विश्व भारती के सहयोग से महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर में जैन विश्व भारती संस्थान के कार्यालय का शुभारम्भ एवं फर्नीचर आदि की सुव्यवस्था तथा एक प्रबन्धक की नियुक्ति

जीवन विज्ञान इन्टरनेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के भवन में 'भगवान महावीर इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर साइन्टिफिक रिसर्च एण्ड सोशल इनोवेटिव स्टडीज सेन्टर' का शुभारम्भ

जैन विश्व भारती संस्थान का अष्टम् दीक्षान्त समारोह (5 नवम्बर 2014, दिल्ली)

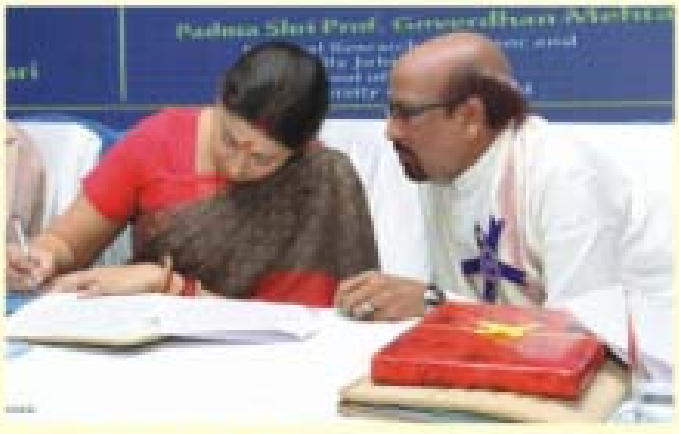

जैन विश्व भारती संस्थान का अष्टम् दीक्षांत समारोह संस्थान के अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में अध्यात्म साधना केन्द्र, महरोली, दिल्ली में आयोजित।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ संचालक भैयाजी जोशी तथा जैन विश्व भारती संस्थान के कुलाधिपति श्री बसंतराज भण्डारी, कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़, आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, दिल्ली के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी एवं जैन विश्व भारती संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनिल धर मंचस्थ। समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं संस्थान के विद्यार्थी।

सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश श्री आर.एम.लोढ़ा को डी.लॉज एवं 'पद्मश्री' श्री गोवर्धन मेहता डी.लिट की मानक उपाधि से सम्मानित। लगभग 1900 विद्यार्थियों को पीएच.डी., स्नातकोत्तर, स्नातक आदि की उपाधियां प्रदत्त।

मातृ संस्था जैन विश्व भारती द्वारा
जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के
'रजत जयन्ती वर्ष समारोह' का संयुक्त रूप से भव्य आयोजन

अत्यन्त उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ द्विदिवसीय आयोजन

मातृ संस्था जैन विश्व भारती के संरक्षण में जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के रजत जयन्ती समारोह के वर्षव्यापी आयोजन का भव्य शुभारम्भ दिनांक 20 मार्च 2015 को प्रातः 10.15 बजे सुधर्मा सभा, जैन विश्व भारती, लाडनूं में परमपूज्य अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के ऑडियो विद्युत मंगल संदेश के प्रसारण के साथ अत्यन्त उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी स्वामी एवं जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आयोजित 'उद्घाटन सत्र' के मुख्य अतिथि 'पदमश्री', 'पदमविभूषण' डॉ. के. एच. संचेती, संस्थापक, संचेती इंस्टीट्यूट फॉर ऑर्थोपेडिक्स एण्ड रिहेबिलिटेशन, पुणे, विशिष्ट अतिथि श्री के. एल. गंजू, कोन्सुल जनरल (ऑनरेरी), रिपब्लिक ऑफ यूनियन ऑफ कॉमरोस इन इण्डिया एवं डॉ. एच आर. नागेन्द्र, कुलाधिपति, एस. व्यासा योगा विश्वविद्यालय, बैंगलोर, मुख्य वक्ता राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक श्री गुलाब कोठारी थे। कार्यक्रम में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी, सेवा केन्द्र में प्रवासित साध्वीवृंद एवं जैन विश्व भारती में प्रवासित अधिकांश समणीवृंद का भी सान्निध्य रहा।

प्रगति पथ पर : जैन विश्व भारती संस्थान

तेरापंथ विकास परिषद् के संयोजक श्री कन्हैयालाल खाजेड़, जैन विश्व भारती संस्थान के पूर्व कुलाधिपति श्री लालचंद सिंघी एवं श्री सुरेन्द्र बोरड़िया, पूर्व कुलपति डॉ. महावीरराज गेलड़ा, प्रो. रामजी सिंह, प्रो. बी. सी. लोढ़ा एवं श्रीमती सुधामही रघुनाथन, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर सहित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के कुल 9 राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री श्री हनुमानचंद लुंकड़, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की महामंत्री श्रीमती पुष्पा बैद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललित लोढ़ा, अमृतवाणी के संरक्षक श्री जेसराज सेखानी, मंत्री श्री सुखराज सेठिया, प्रेक्षा विश्व भारती के अध्यक्ष श्री बाबूलाल सेखानी, अणुव्रत विश्व भारती के अध्यक्ष श्री निर्मल रांका आदि केन्द्रीय संस्थाओं के उच्चस्थ पदाधिकारीगण सहित आचार्य भिक्षु समाधि स्थल संस्थान, सिरियारी के अध्यक्ष श्री मूलचंद नाहर, जैन विश्व भारती के देश-विदेश से समागत पदाधिकारीगण, न्यासीगण, संचालिका समिति सदस्यगण, लाडनूं की संघीय व सामाजिक संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारीगण, अन्य समुदायों के गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति कार्यक्रम की गरिमा को वृद्धिगत कर रही थी। कार्यक्रम में चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर, अहमदाबाद, हैदराबाद, इंदौर, जयपुर आदि महानगरों व सुदूर क्षेत्रों के अतिरिक्त सुजानगढ़, छापर, बीदासर, नोखा, डीडवाना, गंगाशहर आदि निकटवर्ती क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित हुए। लाडनूं नगर के विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों तथा जैन विश्व भारती व जैन विश्व भारती संस्थान परिवार की काफी अच्छी उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम में लगभग चार हजार लोगों की उपस्थिति का अनुमान किया गया। सुधर्मा सभा का तीन तरफ से विस्तारित किया हुआ पंडाल खचाखच भरा था।

संस्थान के इतिहास 'अक्षर युग' एवं 'डॉक्यूमेंट्री फिल्म' का हुआ लोकार्पण

कार्यक्रम के प्रारम्भ में जैन विश्व भारती संस्थान के विशेष रूप से नवनिर्मित 'गीत' की सी.डी. का लोकार्पण कर इस गीत को संस्थान गीत के रूप में स्वीकार किया गया। इस कार्यक्रम में 'अक्षर युग' के नाम से नवप्रकाशित जैन विश्व भारती संस्थान के 24 वर्षों के गौरवशाली इतिहास का लोकार्पण किया गया। जैन विश्व भारती संस्थान में स्थापित आधुनिक संचार माध्यम 'वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग' का उद्घाटन भी किया गया। जैन विश्व भारती संस्थान की जानकारीमूलक एक नवनिर्मित 'डॉक्यूमेंट्री फिल्म' का लोकार्पण कर उपस्थित लोगों के समक्ष प्रसारित किया गया। इस सत्र के कार्यक्रम का संयोजन सरणी रोहितप्रज्ञाजी एवं श्रीमती अदिति सेखानी, अहमदाबाद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

'सत्कार' (जलपान गृह) का लोकार्पण

जैन विश्व भारती संस्थान में नवनिर्मित 'सत्कार' (जलपान गृह) का उद्घाटन लाडनूं क्षेत्र के विधायक माननीय श्री ठाकुर मनोहरसिंहजी की अध्यक्षता में शुभकाम चेरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई के न्यासी श्री राकेश कठोतिया एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती आरती कठोतिया (अनुदानदाता) द्वारा किया गया।

'भगवान महावीर इंटरनेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च एण्ड सोशल इनोवेटिव स्टडीज सेन्टर' का लोकार्पण

जीवन विज्ञान इंटरनेशनल ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा संचालित 'भगवान महावीर इंटरनेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च एण्ड सोशल इनोवेटिव स्टडीज सेन्टर' का लोकार्पण नागौर जिला कलेक्टर श्री राजन विशाल की अध्यक्षता में देवराज मूलचंद नाहर चैरिटेबल ट्रस्ट, जापुन्दा-बैंगलोर के न्यासी श्री मूलचंद नाहर द्वारा किया गया।

सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सांस्कृतिक कार्यक्रम में जैन विश्व भारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि सुधर्मा सभा में उपस्थित हजारों लोग मंत्रमुग्ध हो गए। संस्थान के प्रेक्षाध्यान, योग एवं जीवन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रेक्षाध्यान एवं योग की अद्भुत व आश्चर्यजनक प्रस्तुतियां देखकर लोगों ने ओम अर्हम् की ध्वनि से पंडाल को गुंजायमान कर दिया। महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर से विशेष रूप से उपस्थित विद्यार्थियों ने साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी द्वारा रचित 'विकास की वर्णमाला' गीत पर अत्यन्त रोचक प्रस्तुति दी।

श्री शैलेष लोढ़ा की प्रस्तुतियों ने मोहा सबका मन
सुधर्मा सभा का विशाल पण्डाल पड़ा छोटा

रात्रि 8.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में लोकप्रिय हास्य धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मुख्य किरदार निभाने वाले श्री शैलेष लोढ़ा व अन्य कवियों श्री संजय झाला, अब्दुल जब्बार, संदीप भोला व दिनेश दिमाज आदि ने आचार्यश्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञजी एवं आचार्यश्री महाश्रमणजी को अपनी श्रद्धा-समर्पित करते हुए कविताओं के माध्यम से सबका मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग सात-आठ हजार लोगों की उपस्थिति का अनुमान किया गया। सुधर्मा सभा का विस्तारित पंडाल बहुत छोटा पड़ गया। पूरा जैन विश्व भारती परिसर जनाकीर्ण बन गया। इस कार्यक्रम के लिए लाडनूं का अधिकांशतः बाजार सायं 6.00 बजे से ही बंद होना प्रारंभ हो गया।

लगभग दो किलोमीटर लम्बी 'सौहार्द गमन' रैली का अभूतपूर्व आयोजन
संपूर्ण लाडनूं नगर में गूंजे जैन विश्व भारती संस्थान के स्वर

दिनांक 21 मार्च को प्रातः 8.30 बजे सुखदेव आश्रम, राहुगेट से 'मैराथन (सौहार्द गमन)' का आयोजन किया गया। इसमें लाडनूं नगरपालिका ने स्वच्छता अभियान को साथ में जोड़कर एक रैली का आयोजन किया गया। डीडवाना क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामकुमार कस्वा, लाडनूं उपखण्ड अधिकारी श्री मुरारीलाल शर्मा, लाडनूं नगर पालिका अध्यक्ष श्री बच्छराज नाहटा आदि ने रैली को

हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, जो सब्जी मंडी, सेवग चौक, पहली पट्टी होते हुए सुधर्मा सभा में विसर्जित हुई। लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर लम्बी उक्त रैली में लाडनूं व आसपास के क्षेत्रों के सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों, विभिन्न वेशभूषाओं में जैन विश्व भारती संस्थान की छात्राओं, जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान के पदाधिकारी एवं स्टाफ तथा लाडनूं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इस रैली के माध्यम से नगर में जैन विश्व भारती संस्थान के मूल्यपरक शिक्षा के उद्देश्य को प्रसारित करते हुए विभिन्न समुदायों में आपसी सौहार्द व नगर में स्वच्छता का संदेश दिया गया। रैली में समागत विद्यार्थियों के लिए नाश्ते एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई।

'इन्द्रधनुषी उत्सव' में विद्यार्थियों एवं आगन्तुक अतिथियों ने किया भरपूर मनोरंजन

टॉक शो के माध्यम से प्रस्तुत की गई 'जूनून, जंग और जीत की कहानी'

संस्थान के पदाधिकारीगण व सहपोगीगण का किया सम्मान

प्रातः 10.00 बजे से राजस्थान नाट्य अकादमी के कलाकारों द्वारा राजस्थान की लोक संस्कृति को दर्शाने वाला एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम सुधर्मा सभा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के साथ ही प्रातः 10.30 बजे से सुधर्मा सभा के पास ही बने एक विशाल पण्डाल में 'इन्द्रधनुषी उत्सव' के नाम से एक मेला आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों व विभागों द्वारा विभिन्न जानकारीमूलक व खाद्य सामग्री के स्टॉल लगाये गए। इसके पश्चात् मध्यान्ह 1.30 बजे से विद्यार्थियों को जीवन में कुछ बनने, कुछ हासिल

करने की प्रेरणा प्रदान करने के उद्देश्य से 'जुनून, जंग और जीत की कहानी' शीर्षक से एक टॉक शो आयोजित किया गया। इस टॉक शो में सुपर 30 के नाम से प्रख्यात पटना से समागत श्री आनन्द कुमार, दिल्ली से समागत श्रीमती मीना शर्मा, संवाददाता, फोकस टी.वी. चैनल, कांटाभाजी (उडीसा) से समागत सुश्री सारिका जैन, आई.आर.एस. एवं सुश्री नेहा जैन, आई.ए.एस. ने धरातल से शिखर तक की अपनी सफलता की यात्रा को प्रस्तुत किया। इस टॉक शो का संयोजन चेन्नई निवासी श्री राकेश खटेड़ ने किया। इसके पश्चात् मध्यान्ह 3.30 बजे से नागौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री सी. आर. चौधरी की अध्यक्षता में 'सम्मान एवं समापन सत्र' रखा गया, जिसमें संस्थान के कुलाधिपतिगण, कुलपतिगण, जैन विश्व भारती के पूर्व अध्यक्ष व महामंत्रीगण तथा संस्थान के अनुदानदाताओं अथवा उनके परिवारजन को आभार ज्ञापन स्वरूप सम्मानित किया गया। द्विदिवसीय कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देने वाले प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, रैली में भाग लेने वाले विद्यालयों एवं पत्रकार बंधुओं को भी सम्मानित किया गया।

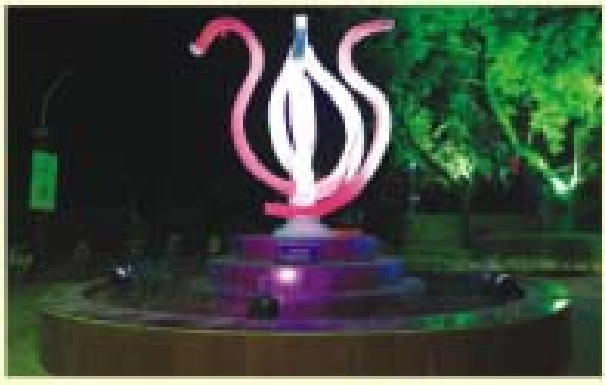

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग हुआ जैन विश्व भारती परिसर
लोगों ने जगमग-रोशन परिसर के मनमोहक दृश्य को किया अपने कैमरों में कैद

जैन विश्व भारती परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। इस रंगीन रोशनी में परिसर की छटा अद्भुत व मनमोहक लग रही थी। परिसर में अवस्थित शुभम्, सागर, वर्षा-संजय सदन, सुमेरु, जय भिक्षु निलयम् (100 कमरे), पंजाब भवन आदि अतिथि गृहों में लगभग एक भी कमरा खाली नहीं था। इसके अतिरिक्त बाहर से पधारने वाले भाई-बहिनों के लिए परिसर के बाहर हरियाणा भवन में भी व्यवस्था की गई। सायंकालीन व रात्रिकालीन कार्यक्रम में लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाडनूं एवं डीडवाना पुलिस प्रशासन का सहयोग लेना पड़ा। रैली की व्यवस्था में प्रशासन एवं नगरपालिका, लाडनूं का विशेष सहयोग रहा। संपूर्ण द्विदिवसीय कार्यक्रम में तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद्, तेरापंथ महिला मण्डल, ओसवाल सभा, ओसवाल पंचायत, युवक परिषद्, भारत विकास परिषद् आदि नगर की विभिन्न संस्थाओं व कार्यकर्ताओं का संपूर्ण सहयोग तथा सहभागिता रही। लाडनूं नगर के गणमान्य महानुभावों के अनुसार जैन विश्व भारती में आयोजित किसी कार्यक्रम में लाडनूं के अन्य समुदायों की इस प्रकार की उपस्थिति संभवतः प्रथम बार देखी गई। कार्यक्रम से पूर्व भी तैयारियों के लिए आयोजित बैठकों में नगर के गणमान्य महानुभावों व संस्थाओं का विशेष उत्साह परिलक्षित हुआ। दिनांक 20 मार्च को प्रातःकाल के भोजन में लगभग 5000 से अधिक लोगों ने भोजन किया तथा सायंकाल में लगभग 3000 लोगों ने भोजन ग्रहण किया। भोजन व्यवस्था सागर अतिथि गृह तथा आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय प्रांगण में रखी गई। आगन्तुक लोगों की सुविधार्थ दो दिनों के लिए परिसर में सुलभ मूल्य पर चाय, कचौरी, जलेबी, पानी आदि की समुचित व्यवस्था की गई। वाहनों की पार्किंग व्यवस्था जय भिक्षु निलयम् तथा विमल विद्या विहार के पार्श्व में अवस्थित मैदान में की गई। दो दिनों के संपूर्ण कार्यक्रमों में पुलिस की समुचित व्यवस्था, एम्बुलेंस आदि स्थानीय प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई। उपखण्ड अधिकारी, थानाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी आदि व्यक्तिशः अधिकांश समय जैन विश्व भारती में मौजूद रहे।

अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से आशातीत सफलता को प्राप्त हुआ द्विदिवसीय आयोजन

जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी एवं जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़ का श्रम हुआ मुखर

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं रजत जयन्ती समारोह समिति के मुख्य संयोजक श्री धरमचंद लुंकड़ तथा जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी विगत लगभग दो माह से इस आयोजन की रूपरेखा, तैयारियों एवं व्यवस्थाओं में अहर्निश दिन-रात जुटे हुए थे। जैन विश्व भारती के न्यासी श्री भागचंद बरढ़िया का कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण एवं प्रशंसनीय श्रम व सहयोग रहा। न्यासी श्री रमेशचंद बोहरा एवं उपाध्यक्ष श्री जीतनमल जैन (मालू) ने लाडनूं के आसपास के 28 क्षेत्रों की यात्रा कर आयोजन की जानकारी दी तथा व्यवस्थाओं में सहयोग किया। जैन विश्व भारती के मंत्री श्री अरविन्द गोठी एक सप्ताह पूर्व ही कार्यक्रम की तैयारियों एवं समुचित व्यवस्थाओं हेतु लाडनूं पहुंच गए। संयुक्त मंत्री श्री गौरव जैन ने कार्यक्रम से संबंधित अनेक व्यवस्थाओं को जयपुर से ही संपादित कर उल्लेखनीय सहयोग किया।

अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक दिशा-निर्देशन, जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी के मार्गदर्शन एवं मातृ संस्था जैन विश्व भारती के अध्यक्ष व रजत जयन्ती समारोह समिति के मुख्य संयोजक श्री धरमचंद लुंकड़ के नेतृत्व में द्विदिवसीय कार्यक्रम अपार सफलता के साथ संपन्न हुआ। सहवर्ती समणी आगमप्रज्ञाजी, समणी रोहितप्रज्ञाजी आदि का श्रम भी उल्लेखनीय रहा। मातृ संस्था जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान के समस्त कर्मचारीगणों ने प्रशंसनीय श्रम व कार्य कर आयोजन को सफल बनाया।

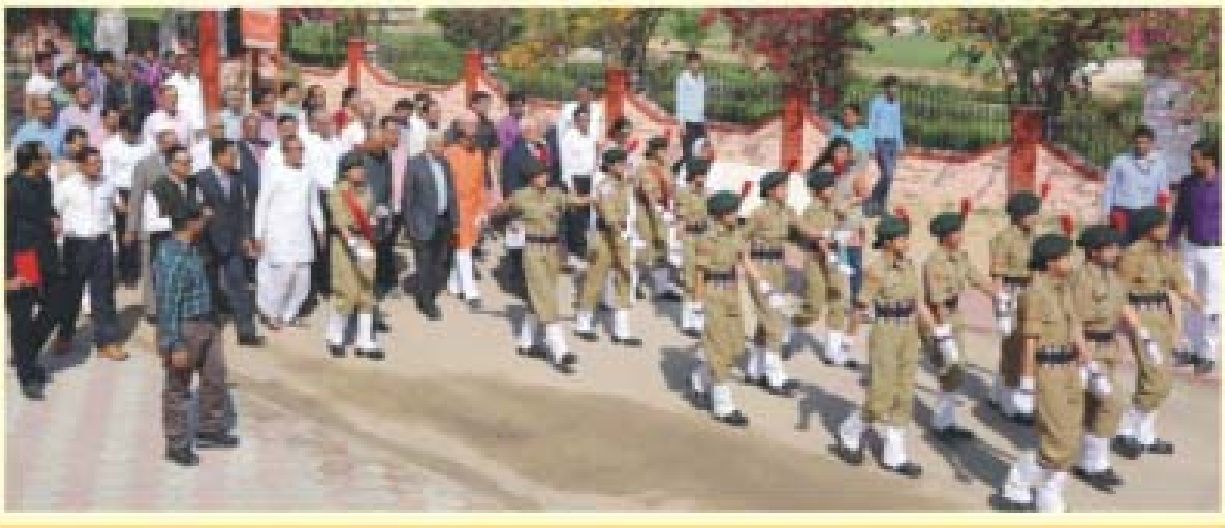

शिक्षा विभाग का गठन

शिक्षा संबंधी समग्र इकाइयों के
सुव्यवस्थित व एकरूप संचालन की
दृष्टि से जैन विश्व भारती के अन्तर्गत शिक्षा विभाग का
गठन एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मनोज लुनिया को राष्ट्रीय संयोजक
व श्री अमरचंद लुंकड़ को राष्ट्रीय सह-संयोजक का दायित्व प्रदत्त

- विमल विद्या विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय
- महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर
- महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर

श्री मनोज लुनिया
राष्ट्रीय संयोजक

श्री अमरचंद लुंकड़
राष्ट्रीय सह-संयोजक

विमल विद्या विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय

विद्यालय में 'स्पोर्ट्स वीक' के आयोजन में
उपस्थित जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण एवं
विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में
भाग लेते हुए विद्यालय के विद्यार्थी

विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा हस्तनिर्मित वस्तुओं / मॉडल आदि से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए लाडनूं उपखण्ड अधिकारी श्री मुरारीलाल शर्मा एवं जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़

नेहरू बालोद्यान में बाल दिवस का आयोजन

विद्यालय में बाल मेले का उद्घाटन करते हुए लाडनूं उपखण्ड अधिकारी श्री मुरारीलाल शर्मा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ एवं मंत्री श्री अरविन्द गोठी

पीने योग्य पानी की सुविधार्थ बरसाती पानी के एकत्रीकरण हेतु कुण्ड का निर्माण

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर

विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

श्री गौरव जैन
संयुक्त संयोजक

विद्यालय की व्यवस्थाओं का पुर्ननिर्धारण एवं
प्रबंधन समिति का गठन।
जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री
श्री गौरव जैन एवं श्री पन्नालाल पुगलिया को
संयुक्त संयोजक का दायित्व प्रदत्त।
उनके कुशल निर्देशन में विद्यालय प्रगति की ओर अग्रसर।

श्री पन्नालाल पुगलिया
संयुक्त संयोजक

विद्यालय प्रबंधन को विद्यालय के विकास हेतु आवश्यक निर्देश देते हुए
जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़ एवं न्यासी श्री रमेश बोहरा

विद्यालय में प्रशासक के पद पर
श्री राधेश्याम शर्मा
की नियुक्ति

विद्यालय में काफी समय से
रिक्त पड़े प्राचार्य के पद पर
श्रीमती नीलिमा गुप्ता की नियुक्ति

विद्यालय भवन में प्रथम तल का अवशिष्ट निर्माण कार्य सम्पूर्ण 6 क्लास रूम, 1 कम्प्यूटर लैब, 1 साइंस लैब, 1 पुस्तकालय का निर्माण कार्य सम्पन्न। लगभग 12500 वर्गफुट का निर्माण कार्य

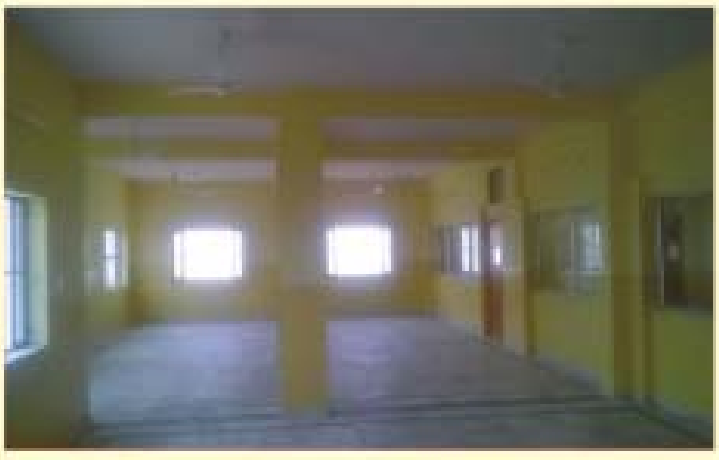

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर

जैन विश्व भारती प्रबंधन एवं शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय संयोजक, सह-संयोजक द्वारा महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर का अनेक बार दौरा एवं गतिविधियों का अवलोकन तथा विकास संबंधी आवश्यक निर्देश जारी

विद्यालय के विकास हेतु श्री रणजीतसिंह कोठारी को विद्यालय प्रबंधन समिति का संयोजकीय दायित्व प्रदत्त। उनके कुशल निर्देशन में कार्य योजना तैयार

विद्यालय भवन में आवश्यक मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य की रूपरेखा का निर्माण एवं तदनुरूप कार्य प्रारम्भ

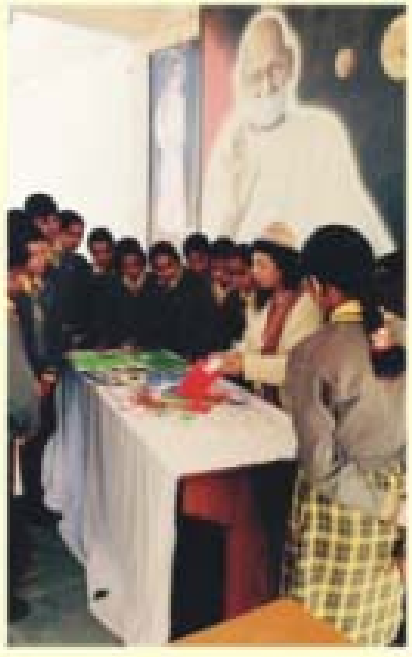

विद्यालय भवन में आवश्यक मरम्मत एवं प्रथम तल पर तीन कमरों का नवनिर्माण कार्य जारी

विद्यालय की
दो प्रतिभाशाली छात्राओं
सुश्री कनुप्रिया एवं
सुश्री संचिता का
बिरला बालिका विद्यापीठ,
पिलानी में चयन

अमेरिका से समागत
श्रीमती स्मृति शाह विद्यालय के विद्यार्थियों
को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती हुई

सरकारी सेवा से चार साल पूर्व स्वैच्छिक सेवानिवृति प्राप्त कर
विद्यालय में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने वाले
डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा का विदाई समारोह

जैन विश्व भारती के परामर्शक एवं पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र चोरड़िया के
60वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर
के विकास हेतु रु.10 लाख का अनुदान प्रदत्त

जीवन विज्ञान

जीवन विज्ञान विभाग का गठन

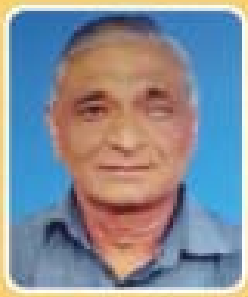

श्री मूलचन्द नाहर
चेयरमैन

श्री ख्यालीलाल तातेड़
को-चेयरमैन

श्री सुरेश कोठारी
राष्ट्रीय संयोजक

जीवन विज्ञान के व्यापक प्रचार-प्रसार व जीवन विज्ञान विभाग के सुव्यवस्थित संचालन हेतु श्री मूलचन्द नाहर, चेयरमैन, श्री ख्यालीलाल तातेड़, को-चेयरमैन तथा श्री सुरेश कोठारी राष्ट्रीय संयोजक के पद पर मनोनीत।

महाप्रज्ञ अलंकरण के उपलक्ष्य में देश-विदेश में 'जीवन विज्ञान दिवस समारोह' के भव्य आयोजन

दिल्ली

मुख्य समारोह आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में दिल्ली में आयोजित। सान्निध्य प्रदान करते हुए आचार्य प्रवर एवं जीवन विज्ञान के प्रयोग करते हुए विद्यार्थी

लाडनूं

जैन विश्व भारती, लाडनूं में मुनि श्री विजयराजजी के सान्निध्य में आयोजित समारोह में मंचस्थ मुख्य अतिथि लाडनूं उपखण्ड अधिकारी श्री मुरारी लाल शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि जैन विश्व भारती के निदेशक श्री राजेन्द्र खटेड़, उपस्थित विद्यार्थीगण। रैली में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 2000 विद्यार्थियों की सहभागिता

बैंगलोर

बैंगलोर में साध्वी श्री कंचनप्रभाजी, बेलीमठ महासंस्थान के श्री शिवानुभवा, चारूमूर्ति शिवरुद्रा स्वामीजी के सान्निध्य, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धरमचन्द लुंकड़ की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित। कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री वजुभाई वाला मुख्य अतिथि, मारवाड़ जंक्शन के विधायक श्री केसाराम चौधरी विशिष्ट अतिथि एवं सपना बुक हाउस के चेयरमैन श्री सुरेश शाह व जीवन विज्ञान विभाग के चेयरमैन श्री मूलचन्द नाहर तथा देवराज मूलचन्द नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री देवराज नाहर अतिथि विशेष के रूप में उपस्थित

दुबई

दुबई में समणी क्षेमप्रज्ञाजी एवं समणी अमलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में जीवन विज्ञान अकादमी, यू ए ई द्वारा समारोह आयोजित एवं विचार व्यक्त करते हुए जैन विश्व भारती के अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक श्री राकेश बोहरा

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (SCERT) रायपुर (छ.ग.) द्वारा रायपुर के शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित आवासीय योग प्रशिक्षण शिविर में जीवन विज्ञान संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करते हुए जीवन विज्ञान अकादमी, जैन विश्व भारती, लाडनूं के सहायक निदेशक श्री हनुमानमल शर्मा एवं प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए प्रशिक्षणार्थी

प्रेक्षाध्यापक मुनिश्री किशनलालजी के निर्देशन में आयोजित जीवन विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए भारत सरकार के खेल एवं युवा विभाग के राज्यमंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल एवं प्राण ऊर्जा का प्रयोग कराते हुए मुनिश्री तथा मंचासीन श्री बजरंग जैन व फीचर्स एण्ड एंटरटेनमेंट एडिटर श्रीमती रेखा खान

योग मंत्रिमंडल, इन्दौर के सदस्यों, प्रोफेसरों व विद्यार्थियों को जीवन विज्ञान तकनीक का विशेष प्रशिक्षण प्रदान करते हुए श्री राकेश खटेड, चेन्नई

समण संस्कृति संकाय में नियुक्तियां

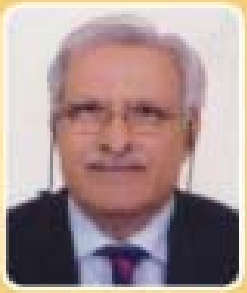

श्री मालचंद बेगानी
विभागाध्यक्ष

समण संस्कृति संकाय के व्यवस्थित संचालन की दृष्टि से विभागाध्यक्ष के रूप में श्री मालचंद बेगानी एवं निदेशक के रूप में श्री निलेश बैद की नियुक्ति।

श्री निलेश बैद
निदेशक

जैन विद्या परीक्षाएं एवं घोषित परिणाम (सत्र 2014-15)

समण संस्कृति संकाय -जैन विश्व भारती द्वारा संचालित जैन विद्या परीक्षाएं पूरे भारत व नेपाल में 1 व 2 नवम्बर 2014 को आयोजित की गयी जिनका परिणाम दिनांक 2 फरवरी 2014 को घोषित किया गया। परीक्षा परीणाम जैन विश्व भारती व तेरापंथ की वेबसाईट **www.jvbharati.org** के माध्यम से उपलब्ध करवाया गया।

इस वर्ष (2014-15) की परीक्षाओं के लिए 10104 आवेदन पत्र भरे गये जिनमें 6228 परीक्षार्थी परीक्षाओं में बैठे, 4927 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम 78.98 प्रतिशत रहा। चेन्नई के 8 स्कूलों के 880 अजैन विद्यार्थियों ने जैन विद्या परीक्षाओं में भाग लिया। अखिल भारतीय स्तर पर वरीयता प्राप्त परीक्षार्थियों के नाम निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	नाम	स्थान	श्रेणी
	जैन विद्या भाग-1 (कनिष्ठ वर्ग)		
1.	श्री कुलदीप रांका	दौलतगढ़	प्रथम
2.	श्री कुशाल बाफना	शिवामोगा	द्वितीय
3.	सुश्री दिव्या चोपड़ा	सिलचर	तृतीय
4.	सुश्री महक बांठिया	बंगाईगांव दक्षिण	तृतीय
	जैन विद्या भाग-1 (वरिष्ठ वर्ग)		
1.	श्रीमती ममता सुराणा	शिलाँग	प्रथम
2.	सुश्री प्रियंका मारू	भीलवाड़ा	द्वितीय
3.	श्रीमती प्रीति बैद	विजयवाड़ा	तृतीय
4.	श्रीमती मधु जैन	सूरतगढ़	तृतीय
	जैन विद्या भाग-2 (कनिष्ठ वर्ग)		
1.	श्री तुषार चोरड़िया	कांकरोली	प्रथम
2.	श्री भाविक मुथा	चिकमंगलूर	द्वितीय
3.	सुश्री चेतना धोका	औरंगाबाद	तृतीय
4.	श्री हितेश गर्ग	कालांवली	तृतीय
	जैन विद्या भाग-2 (वरिष्ठ वर्ग)		
1.	श्रीमती प्रेमश्री संचेती	जयसिंगपुर	प्रथम
2.	श्रीमती उषा चोरड़िया	मलाड	द्वितीय
3.	श्रीमती प्रेम सुराणा	सिलचर	तृतीय
4.	श्रीमती लता कांकरिया	पिंपरी चिंचवड़	तृतीय

क्र.सं.	नाम	स्थान	श्रेणी
	जैन विद्या, भाग-3		
1.	श्रीमती अंजु रुणवाल	मदनगंज किशनगढ़	प्रथम
2.	श्रीमती ज्योति बोथरा	कोटा	प्रथम
3.	श्रीमती कीर्ति गांधी	रतलाम	द्वितीय
4.	श्रीमती शोभा बाफना	चेन्नई	तृतीय
	जैन विद्या, भाग-4		
1.	श्री तनसुख गोठड़िया	सुजानगढ़	प्रथम
2.	सुश्री अभयमती भंसाली	जसोल	द्वितीय
3.	सुश्री पल्लवी बुच्चा	लूनकरनसर	तृतीय
4.	सुश्री पूजा सेठिया	सरदारशहर	तृतीय
	जैन विद्या, भाग-5		
1.	सुश्री सपना धाकड़	उधना	प्रथम
2.	सुश्री प्रियंका बरमेचा	कालू	द्वितीय
3.	सुश्री सोनू बोहरा	उधना	द्वितीय
4.	श्री धर्मेन्द्र जैन	इचलकरंजी	तृतीय
	जैन विद्या, भाग-6		
1.	श्रीमती ममता जैन	चेम्बुर	प्रथम
2.	श्रीमती सुमन बुरड़	मैसूर	द्वितीय
3.	श्रीमती सावित्री लूणिया	कांकरिया मणिनगर	तृतीय

क्र.सं.	नाम	स्थान	श्रेणी
जैन विद्या, भाग-7			
1.	श्रीमती रेखा पितलिया	मैसूर	प्रथम
2.	सुश्री दीपिका कांकरिया	बालोतरा	द्वितीय
3.	सुश्री मीनाक्षी संकलेचा	बालोतरा	तृतीय
जैन विद्या, भाग-8			
1.	श्रीमती प्रवीणा सिंघवी	उदयपुर	प्रथम
2.	श्रीमती रेखा कोठारी	चित्रदुर्ग	द्वितीय
3.	श्रीमती प्रिया कांकेता	अम्बाजोगाई	तृतीय

क्र.सं.	नाम	स्थान	श्रेणी
जैन विद्या, भाग-9			
1.	श्रीमती सुमन कोठारी	काटमाण्डू	प्रथम
2.	सुश्री सीमा मेहता	बारडोली	द्वितीय
3.	श्रीमती सपना डागलिया	बोरीवली	तृतीय
जैन विद्या, भाग-5 (प्रवेश परीक्षा)			
1.	श्रीमती शांति बांठिया	दक्षिण कोलकाता	प्रथम
2.	सुश्री प्रज्ञा नौलखा	बीकानेर	द्वितीय
3.	श्रीमती सारिका बोथरा	भयंदर	तृतीय

सुन्दर व व्यवस्थित व्यवस्था

समण संस्कृति संकाय, परीक्षा केन्द्र 2014 परिणाम

प्रथम : हैदराबाद द्वितीय : धुबड़ी तृतीय : सुजानगढ़

अन्य परीक्षा केन्द्र

आमेट	गोगुन्दा	इन्दौर	कानपुर	तिरुवन्नामलै	गांधीधाम
देशनोक	गुलाबबाग	जबलपुर	रतलाम	गंगाशहर	जोरावरपुरा

जैन विद्या कार्यशाला

समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से गत पांच वर्षों से जैन विद्या कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 28 जुलाई से 11 अगस्त 2014 को आयोजित पंचम कार्यशाला परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। यह कार्यशाला सम्पूर्ण भारत में 85 केन्द्रों पर आयोजित की गई, जिनमें से 74 केन्द्रों से 1736 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इनमें 1441 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए एवं परिणाम 83 प्रतिशत रहा। अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों के नाम निम्न प्रकार हैं -

क्र. सं.	नाम	स्थान	केन्द्र	क्र. सं.	नाम	स्थान	केन्द्र
1.	महेन्द्र सेठिया	प्रथम	चेन्नई	13.	अंजु रुणवाल	षष्टम	मदनगंज, किशनगढ़
2.	हीना भंसाली	द्वितीय	पाली	14.	सुशील सालेचा	षष्टम	बालोतरा
3.	मंजु डागा	द्वितीय	चेन्नई	15.	मीनाक्षी संकलेचा	सप्तम	बालोतरा
4.	आशा खाब्या	तृतीय	अहमदाबाद	16.	रेखा संकलेचा	सप्तम	पाली
5.	पवन कुमार सेठिया	चतुर्थ	श्रीडूंगरगढ़	17.	आशीष बाबरिया	अष्टम	भुज-कच्छ
6.	संतोष वैदमुथा	चतुर्थ	हुबली	18.	भारती संकलेचा	अष्टम	इचलकरंजी
7.	श्रेष्ठा गोलेच्छा	चतुर्थ	बालोतरा	19.	विमला गोलेच्छा	अष्टम	बालोतरा
8.	दीपाली सेठिया	पंचम	चेन्नई	20.	मधु समदड़िया	नवम	पाली
9.	रजत कुमार सिंधी	पंचम	श्रीडूंगरगढ़	21.	मनीषा गन्ना	नवम	मैसूर
10.	रेखा बरड़िया	पंचम	पाली	22.	पूजा ओस्तवाल	नवम	बालोतरा
11.	सुबोध सेठिया	पंचम	चेन्नई	23.	रेणु दूगड़	नवम	तिरुपुर
12.	सुप्रिया सावनसुखा	पंचम	चेन्नई	24.	स्वीटी जीरावला	दशम	अहमदाबाद

जैन विश्व भारती
शिक्षा संपोषण योजना

जैन विश्व भारती अपनी विभिन्न शिक्षण संबंधी इकाईयों के माध्यम से '**शिक्षा**' के विकास के द्वारा हमारे पूज्यवरों के स्वप्नों के अनुरूप आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों का समावेश करते हुए स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण की दिशा में सतत् अग्रसर है। विश्वविद्यालय एवं जैन विश्व भारती द्वारा संचालित विद्यालयों में अनेक जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था है। उच्च शिक्षण स्तर को बनाये रखते हुए आधुनिक संसाधनों एवं सुविधाओं का समावेश निरन्तर किया जा रहा है।

जैन विश्व भारती की शिक्षा इकाईयों के समुचित विकास की दृष्टि से '**शिक्षा संपोषण योजना**' प्रारम्भ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत अनुदानदाता के लिए दो श्रेणियां निर्धारित की गई हैं -

1. **शिक्षा संपोषक**: कोई भी व्यक्ति **रुपये 1 लाख** की अनुदान राशि प्रदान कर शिक्षा संपोषक के रूप में इस योजना में सहयोगी एवं सहभागी बन सकता है।
2. **शिक्षा सहयोगी**: कोई भी व्यक्ति **रुपये 11 हजार** की अनुदान राशि प्रदान कर शिक्षा सहयोगी के रूप में इस योजना में सहयोगी एवं सहभागी बन सकता है।

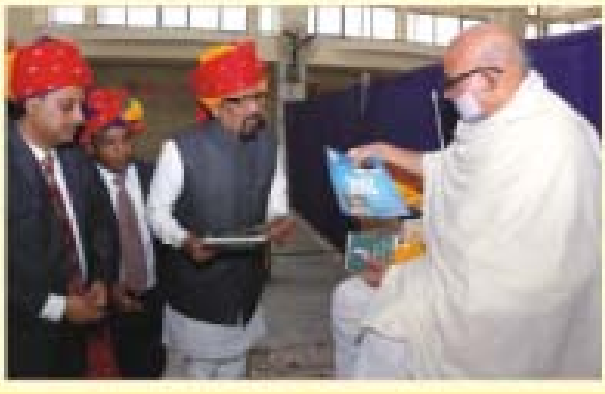

योजना का फोल्डर विमोचन हेतु आचार्यप्रवर को भेंट करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़, मंत्री श्री अरविन्द गोठी

श्रीमद् राजचन्द्र आत्मतत्व रिसर्च सेन्टर, पुणे के न्यासीगण के अनुदान से योजना का शुभारम्भ करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़, न्यासी श्री रमेशचन्द बोहरा

उक्त योजना के अन्तर्गत प्राप्त राशि का उपयोग शिक्षा संबंधी इकाईयों के विकास व विस्तार तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क शिक्षण के रूप में किया जायेगा। जैन विश्व भारती को देय अनुदान पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 जी के अन्तर्गत छूट उपलब्ध है।

पूज्यवरों के स्वप्नों के अनुरूप शिक्षा के विकास एवं जैन विश्व भारती के इस मिशन को साकार करने में आपका सहयोग एवं सहभागिता सादर अपेक्षित है।

धरमचन्द लुंकड़	मनोज लुनिया	प्यारेलाल पितलिया	अमरचन्द लुंकड़	अरविन्द गोठी
अध्यक्ष	राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा विभाग	मुख्य न्यासी	राष्ट्रीय सह-संयोजक, शिक्षा विभाग	मंत्री
(9840166699)	(9863022275)	(9841036262)	(9840044428)	(9810114949)

साहित्य विभाग

साहित्य विभाग में नई नियुक्तियां

श्री मदनचन्द दृगड़ 'जौहरी'
राष्ट्रीय संयोजक

साहित्य विभाग के सुव्यवस्थित संचालन हेतु
उपाध्यक्ष श्री मदनचन्द दृगड़ 'जौहरी' को राष्ट्रीय संयोजक तथा
श्री मांगीलाल छाजेड़ को राष्ट्रीय सह-संयोजक का दायित्व प्रदत्त

श्री मांगीलाल छाजेड़
राष्ट्रीय सह-संयोजक

जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित नवीन साहित्य
(1 अक्टूबर 2014 से 31 मार्च 2015)

क्र.सं.	पुस्तक का नाम	प्रकाशित प्रतियां
1.	जैन संस्कार : सुखी संसार	1100
2.	रहस्य सफलता का	1100
3.	उत्क्रांतचेता धर्मनायक आचार्य तुलसी	1100
4.	आचार्य तुलसी का राष्ट्र को अवदान	1100
5.	शासन गौरव मुनि बुद्धमल्लजी : जीवन वृत्त	550
6.	विनय से विद्या	2200
7.	जैसा संग वैसा रंग	2200
8.	विशेषावश्यक भाष्य (खण्ड-1)	550
9.	विशेषावश्यक भाष्य (खण्ड-2)	550
10.	तेरापंथ पावस प्रवास	500
11.	एवं हवई बहुस्सुए	3000
12.	दसाओ	550
13.	प्रकाश की रेखाएं	550
14.	रोज की एक सलाह (अंग्रेजी संस्करण)	1000
15.	जय तिथि पत्रक	15000
16.	रोज की एक सलाह कलेण्डर	10000

जैन विश्व भारती द्वारा पुनर्मुद्रित साहित्य

क्र.सं.	पुस्तक का नाम	प्रतियां
1.	श्रमण प्रतिक्रमण	500
2.	श्रावक प्रतिक्रमण	1100
3.	रोज की एक सलाह	3000
4.	गणवत्सल की गौरव गाथा	1100
5.	व्यक्तित्व निर्माता : आचार्य तुलसी	1100
6.	शासन गौरव मुनि बुद्धमल्लजी	550

आचार्यश्री महाश्रमणजी के कर कमलों में विभिन्न पुस्तकों का लोकार्पण

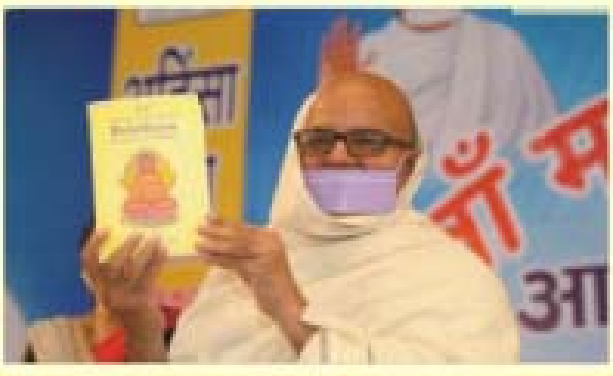

जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित
विभिन्न पुस्तकों को लोकार्पण हेतु
आचार्यश्री महाश्रमणजी के कर-कमलों में
उपहृत करते हुए जैन विश्व भारती के
पदाधिकारीगण एवं साहित्य
लोकार्पित करते हुए
आचार्यप्रवर

जैन विश्व भारती के साथ अनुबंध के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रकाशन संस्थान 'हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स' द्वारा प्रकाशित आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा रचित पुस्तक 'ऋषभायण' के अंग्रेजी संस्करण की प्रथम प्रति आचार्यश्री महाश्रमणजी के कर कमलों में लोकार्पण हेतु निवेदित करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़, पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र चोरड़िया, संयुक्त मंत्री श्री गौरव जैन, पुस्तक की अनुवादक एवं जैन विश्व भारती संस्थान की पूर्व कुलपति श्रीमती सुधामही रघुनाथन तथा पुस्तक का लोकार्पण करते हुए आचार्यप्रवर

साहित्य वाहिनी का निर्माण

आचार्य प्रवर की यात्रा में संचालित जैन विश्व भारती के चल साहित्य विक्रय केन्द्र के व्यवस्थित संचालन हेतु श्री बाबूलाल, संजय कुमार सुराणा, राजगढ़-सूरत के आर्थिक सौजन्य से साहित्य प्रचार-प्रसार वाहन का निर्माण

आचार्य प्रवर के सान्निध्य में साहित्य वाहिनी के अनुदानदाता परिजन वाहन की प्रतीकात्मक चाबी जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण को भेंट करते हुए एवं आचार्य प्रवर द्वारा साहित्य वाहिनी के अवलोकन के पश्चात् मंगल पाठ सुनते हुए पदाधिकारीगण (दिनांक 23 जनवरी 2015, कानपुर)

साहित्य के प्रचार-प्रसार एवं
साहित्य संपोषण योजना में
अधिकाधिक लोगों की सहभागिता हेतु
जैन विश्व भारती के अध्यक्ष
श्री धरमचन्द लुंकड़ व
मंत्री श्री अरविन्द गोठी के साथ चिंतन
तथा विचार-विमर्श करते हुए
साहित्य विभाग के राष्ट्रीय संयोजक
श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'
एवं सह-संयोजक
श्री मांगीलाल छाजेड़

जैन विश्व भारती : साहित्य संपोषण योजना

आचार्य प्रवर को योजना का फोल्डर भेंट करते हुए
जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं मंत्री

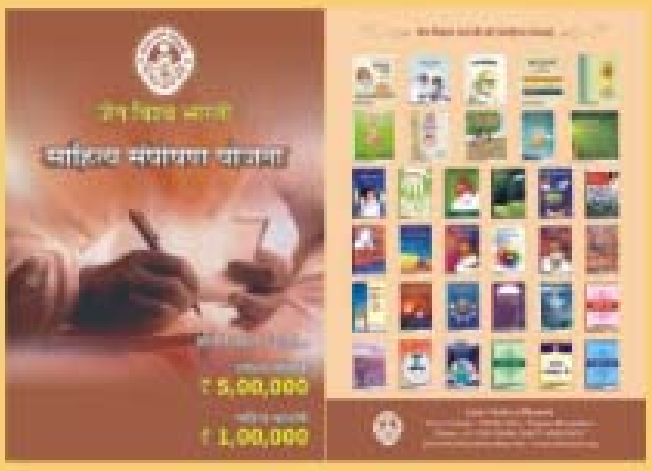

जैन विश्व भारती वह विविधमुखी गतिविधियों में साहित्य प्रकाशन एवं वितरण एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। आगम, जैन विद्या, जीवन विज्ञान से संबंधित साहित्य के साथ धर्मसंघ के आचार्यों, चारित्रात्माओं, समण-समणीवृंद तथा शोधार्थियों द्वारा लिखित/संपादित साहित्य का प्रकाशन संस्था द्वारा विगत लगभग चार दशकों से किया जा रहा है। यह साहित्य प्रचार-प्रसार की दृष्टि से अधिक से अधिक पाठकों को सुलभ मूल्य पर उपलब्ध करवाने हेतु जैन विश्व भारती को समाज के अनेक उदारमना महानुभावों का साहित्य प्रकाशन में निरंतर आर्थिक सहयोग प्राप्त होता रहता है। जैन विश्व भारती सभी उदारमना महानुभावों के सहयोग हेतु हार्दिक आभार ज्ञापित करती है। वर्तमान में जैन विश्व भारती के साहित्य प्रकाशन हेतु निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत अनुदान प्रदान किया जा सकता है–

साहित्य संपोषक

1. कोई भी व्यक्ति साहित्य प्रकाशन हेतु रु. 5 लाख का अनुदान देकर 'साहित्य संपोषक' बन सकता है।
2. प्राप्त अनुदान राशि जैन विश्व भारती के अंतर्गत साहित्य प्रकाशन हेतु गठित विशेष कोष में जमा होगी।
3. साहित्य संपोषक को पूज्यप्रवर के सान्निध्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम में राशि प्राप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के साहित्य संपोषक के रूप में जैन विश्व भारती द्वारा मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।
4. जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका 'कामधेनु' एवं 'विज्ञप्ति' में साहित्य संपोषक का नामोल्लेख किया जाएगा।
5. जिस वित्तीय वर्ष में साहित्य संपोषक की अनुदान राशि प्राप्त होगी उस वित्तीय वर्ष से आगामी पांच वर्षों तक उसे प्रतिवर्ष जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित संपूर्ण नवीन साहित्य की एक प्रति निःशुल्क प्रेषित की जाएगी।

साहित्य सहयोगी

1. कोई भी व्यक्ति साहित्य प्रकाशन हेतु रु. 1 लाख का अनुदान देकर 'साहित्य सहयोगी' बन सकता है।
2. प्राप्त अनुदान राशि जैन विश्व भारती के अंतर्गत साहित्य प्रकाशन हेतु गठित विशेष कोष में जमा होगी।
3. साहित्य सहयोगी को पूज्यप्रवर के सान्निध्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम में राशि प्राप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के साहित्य सहयोगी के रूप में जैन विश्व भारती द्वारा मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।
4. जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका 'कामधेनु' में साहित्य सहयोगी का नामोल्लेख किया जाएगा।
5. जिस वित्तीय वर्ष में साहित्य सहयोगी की अनुदान राशि प्राप्त होगी उसे उस वर्ष जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित संपूर्ण नवीन साहित्य की एक प्रति निःशुल्क प्रेषित की जाएगी।

जैन विश्व भारती को देय अनुदान पर भारत सरकार के आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80जी के अंतर्गत छूट उपलब्ध है।

योजना में सम्पूर्ण समाज के सहयोग एवं सहभागिता हेतु सादर निवेदन।

धरमचन्द लुंकड़	मदनचंद दुगड़ 'जौहरी'	प्यारेलाल पितलिया	मांगीलाल छाजेड़	अरविन्द गोठी
अध्यक्ष	राष्ट्रीय संयोजक, साहित्य विभाग	मुख्य न्यासी	राष्ट्रीय सह-संयोजक, साहित्य विभाग	मंत्री
(9840166699)	(9821222135)	(9841036262)	(93225191555)	(9810114949)

प्रेक्षाध्यान

प्रेक्षा फाउण्डेशन में नई नियुक्तियां

श्री सुकनराज परमार
चेयरमैन

प्रेक्षाध्यान के व्यापक प्रचार-प्रसार व प्रेक्षा फाउण्डेशन के सुव्यवस्थित संचालन हेतु श्री सुकनराज परमार प्रेक्षा फाण्डेशन के चेयरमैन एवं श्री राजेन्द्र मोदी राष्ट्रीय संयोजक के पद पर मनोनीत। इनके कुशल निर्देशन में प्रेक्षाध्यान संबंधी समस्त गतिविधियां प्रगति की ओर अग्रसर

श्री राजेन्द्र मोदी
राष्ट्रीय संयोजक

श्री अशोक संचेती
संपादक, प्रेक्षाध्यान पत्रिका

प्रेक्षा फाउण्डेशन द्वारा प्रकाशित वर्ष 2015 का कलेण्डर लोकार्पण हेतु आचार्य प्रवर के कर कमलों में समर्पित करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड एवं मंत्री श्री अरविन्द गोठी

प्रेक्षाध्यान पत्रिका के संपादक श्री अशोक संचेती के कुशल सम्पादन में प्रेक्षाध्यान पत्रिका की साईज में परिवर्तन एवं जनवरी 2015 से आगामी अंक नई साईज, रंगीन एवं आकर्षक नये कलेवर में प्रस्तुत

साध्वीश्री रतनश्रीजी तथा समणी स्निग्धप्रज्ञाजी के सान्निध्य में प्रेक्षा फाउण्डेशन, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम एवं अणुविभा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में अणुविभा केन्द्र, जयपुर में प्रेक्षाध्यान शिविर का आयोजन

आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र में सप्तदिवसीय मेगा प्रेक्षाध्यान शिविर

दिनांक 13 से 19 फरवरी 2015

निर्देशन : आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या समणी नियोजिका समणी ऋजुप्रज्ञाजी
आयोजक : प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती, लाडनूं
स्थान : जैन विश्व भारती, लाडनूं

जैन विश्व भारती के आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र में प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती द्वारा दिनांक 13-19 फरवरी 2015 को आयोजित मेगा प्रेक्षाध्यान शिविर सानन्द सम्पन्न हुआ।

शिविर का शुभारंभ 'शासनश्री' मुनिश्री पानमलजी के पावन सान्निध्य में हुआ। उद्घाटन सत्र में अपने उद्बोधन में मुनिश्री ने शुभ-ध्यान को अपने जीवन में धारण करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि ध्यान अमृत है। इससे इहलोक और परलोक दोनों को सुधारा जा सकता है। इस अवसर पर मुनिश्री हिमांशुकुमारजी ने बताया कि नया सीखने के लिये भीतर से खाली होना आवश्यक है। उन्होंने मौन, ध्यान, समय-प्रबंधन और स्व-प्रबंधन के महत्व को प्रतिपादित किया।

ध्यान-दीक्षा के रूप में शिविरार्थियों को उपसंपदा का संकल्प करवाते हुए समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी ने कहा कि ध्यान की अंतल गहराइयों में पहुंचने के लिये प्रबल इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प, एकाग्रता और तादात्म्य भाव अत्यन्त अपेक्षित है। ध्यान हमें भीतर ले जाता है। बाहर की यात्रा हेतु जैसे साधन अपेक्षित है वैसे ही भीतर की यात्रा साधना के बिना नहीं हो सकती। ध्यान को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि अतीत की स्मृति और भविष्य की कल्पना से मुक्त वर्तमान में रहने का अभ्यास ही ध्यान है।

जैन विश्व भारती के न्यासी एवं प्रेक्षा फाउण्डेशन के चैयरमेन श्री सुकनराज परमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञाजी, साध्वीश्री अक्षयप्रभाजी और विमल विद्या विहार की निदेशक समणी मधुरप्रज्ञाजी, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्दजी लुंकड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मंगलाचरण समणी मुदुप्रज्ञाजी एवं संचालन समणी श्रेयसप्रज्ञाजी ने किया। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के कुलपति बच्छराज नाहटा, न्यासी भागचन्द बरड़िया, जीवनमल जैन, उपाध्यक्ष मदनचन्द दूगड़, मंत्री अरविन्द गोठी,

निदेशक राजेन्द्र खटेड़, जैन विश्व भारती संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनित धर, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, जीवन विज्ञान अकादमी के सहायक निदेशक हनुमान मल शर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

सप्त दिवसीय शिविर के दौरान प्रतिदिन समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी ने प्रेक्षाध्यान के सैद्धान्तिक पक्ष का प्रशिक्षण दिया, जिसमें उन्होंने प्रेक्षाध्यान की उपसंपदा, आध्यात्मिक आधार, आगमिक आधार, सहायक अंग, मुख्य अंग और विशिष्ट अंगों की चर्चा करते हुए बताया कि आत्मशुद्धि हेतु शरीर, श्वास, मन, प्राण, भाव और कर्मशुद्धि आवश्यक है। प्रेक्षाध्यान के विविध प्रयोगों द्वारा इन्हें शुद्ध किया जा सकता है।

शिविर के प्रतिदिन का प्रारंभ और समापन समणी श्रेयसप्रज्ञाजी के ध्यान के चार चरण - कायोत्सर्ग, अन्तर्यात्रा, श्वास प्रेक्षा और ज्योति केन्द्र प्रेक्षा के अभ्यास द्वारा हुआ। ध्यान में स्थिरता से बैठ सकें एवं शरीर की अकड़न को दूर कर सकें इसके लिये प्रतिदिन आसन-प्राणायाम की कक्षाएं समणी मृदुप्रज्ञाजी, समणी अमलप्रज्ञाजी एवं प्रशिक्षक रामदेव ने ली।

मुनिश्री हिमांशुकुमारजी ने शिविरार्थियों को अभय और मैत्री की अनुप्रेक्षा से भावित किया। वहीं समणी विनयप्रज्ञाजी ने मंत्रों के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए विचित्र साधनोपयोगी मंत्रों के प्रयोग करवाये। ध्यान, जप, आसन-प्राणायाम द्वारा आध्यात्मिक लाभ के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक लाभ भी कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इसकी जानकारी समणी मल्लिप्रज्ञाजी ने शिविरार्थियों को दी और प्रयोग भी करवाये। सम्पूर्ण कायोत्सर्ग का प्रयोग समणी मंजुलप्रज्ञाजी एवं प्रशिक्षक महावीर प्रजापत ने करवाया।

शिविर समापन समारोह में उपस्थित शिविरार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए समणी नियोजिका समणी ऋजुप्रज्ञाजी ने कहा कि परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर की असीम अनुकम्पा और आशीर्वाद से यह शिविर सानन्द सम्पन्न हो रहा है। जैसा कि आप जानते हैं - अध्यात्म साधना ऊर्ध्वारोहण की यात्रा है। इस यात्रा में क्रोध, मान, माया, लोभ, छल-कपट, अहंकार रूपी लगेज जितना कम होगा, यह यात्रा उतनी ही सुगम और सफल होगी। थके हुए फल का उदाहरण देते हुए उन्होंने व्यवहार की मृदुता, वाणी की मधुरता और चेहरे पर सौम्य तेज को साधना की परिपक्वता की पहचान बताया। शिविरार्थियों को प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि आज शिविर का समापन हो रहा है परन्तु साधना का नहीं। आप अपने जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का लक्ष्य बनाकर निरन्तर साधना करते रहें। जब आपके परिवारजन आप में परिवर्तन महसूस करेंगे, आपके व्यवहार में परिवर्तन परिलक्षित होगा, तभी आपका शिविर में आना सार्थक होगा।

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धरमचन्द लुंकड़ ने समणीवृन्द के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि इस शिविर की सफलता में सम्पूर्ण जैन विश्व भारती परिवार का सहयोग रहा। यहां के प्रत्येक कर्मकार ने अपने दायित्व का निष्ठा से निर्वहन किया। तेरापंथ विकास परिषद के संयोजक कन्हैयालाल छाजेड़ ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि शिविर एवं परिसर के वातावरण में आपकी साधना का क्रम अच्छा और आपने स्वयं में परिवर्तन अनुभव किया परन्तु यह परिवर्तन आपके परिवारजनों को भी दिखाई देना चाहिए। कार्यक्रम में लाडनूं नगरपालिका के अध्यक्ष एवं जैन विश्व भारती के कुलपति बच्छराज नाहटा, न्यासी रमेश बोहरा एवं प्रशिक्षक रामदेवाराम आलड़िया ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जैन विश्व भारती संस्थान, जैन विश्व भारती, तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं सहित समाज के अनेक गणमान्य महानुभाव इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संयोजन समणी श्रेयसप्रज्ञा ने किया जिसका प्रारंभ समणी मृदुप्रज्ञा द्वारा प्रस्तुत मधुर भजन 'धीरे-धीरे मोड़ तूं इस मन को.......' से हुआ।

इस शिविर में मानव हितकारी संघ, राणावास के अध्यक्ष अमरचन्द लुंकड़, विप्रो के पूर्व अध्यक्ष एवं टेक्नो कन्सल्टेन्ट्स, मुम्बई के चेयरमेन डॉ. ललित मैथेरी सहित राजस्थान, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उड़ीसा, असम, पश्चिम बंगाल, गुजरात एवं विदेश की धरती दुबई आदि स्थानों से 170 भाई-बहनों ने भाग लेकर प्रेक्षाध्यान, आसन-प्राणायाम, कायोत्सर्ग, श्वास प्रेक्षा, शरीर प्रेक्षा, चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा, अनुप्रेक्षा एवं शरीर विज्ञान आदि का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिविरार्थियों के अनुभव -

शिविर के संदर्भ में अपने अनुभव व्यक्त करते हुए शिविरार्थियों ने कहा -

- इस शिविर ने मुझे एक नई दिशा और नई सोच दी है। परिस्थिति से प्रभावित न होकर कैसे अपनी मनःस्थिति को संतुलित रखें, मैंने इस शिविर से सीखा। - राकेश बोकरा, दुबई
- मेगा प्रेक्षाध्यान शिविर के सभी कार्यक्रम प्रेरणादायी एवं सुप्रबंधित थे। प्रत्येक कक्षा सारगर्भित एवं रुचिप्रद लगी। - डॉ. मोहनलाल जैन, चेन्नई
- प्रेक्षा फाउण्डेशन एवं जैन विश्व भारती का धन्यवाद जिन्होंने ऐसा शिविर आयोजित किया। इस शिविर में मैंने कर्मकाण्ड एवं पूजा-पाठ से पृथक जीवन जीने की कला सीखी। - चन्द्रभूषण प्रसाद सिंह, बिहार

- मैंने इस शिविर में अपने क्रोध पर नियंत्रण करना सीखा और सचमुच अपने भीतर गहरी शान्ति का अनुभव किया। - शंकरलाल, अध्यापक, लाडनूं

- प्रेक्षाध्यान से दुनिया के इस तनाव भरे वातावरण में स्वयं को शान्त, सरल एवं सकारात्मक रखने की कला सीखी है। काम, क्रोध, लोभ एवं मोह को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है, इस शिविर में जाना। - विजयकुमार बरड़िया, सूरत

- इस शिविर ने मेरी जिन्दगी को नया आयाम दिया है। अब तक मैं संसार को जानने में लगा था लेकिन पहली बार मैंने स्वयं को जाना है। मैं भाग्यशाली हूं कि इस शिविर में भाग लिया। - अमीचन्द चौधरी

- प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों से स्वयं में स्फूर्ति, ऊर्जा एवं प्रफुल्लता का अनुभव किया। अनुप्रेक्षा से सहिष्णुता, अभय एवं मैत्री भावना का विकास हुआ। - बलदेव ढाका, अध्यापक

- मेगा प्रेक्षाध्यान शिविर में मुझे पहली बार यह मालूम हुआ कि मनुष्य अपने शरीर एवं आत्मा को पृथक-पृथक देख सकता है। - दुर्जनसिंह राठौड़, प्रधानाध्यापक

- इस शिविर के तीसरे दिन से ही जोड़ों के दर्द की दवाई छूट गई, जो मैं लम्बे समय से ले रहा था। यहां आने के बाद मेरे जोड़ों में नाममात्र का दर्द ही रहा है। - राजेन्द्र कुमार शर्मा, चूरु

- यद्यपि मैं कैंसर के रोग से पीड़ित हूं, लेकिन प्रेक्षाध्यान एवं योग के प्रयोगों को जानकर तो मुझे जीने का सहारा मिल गया। अब मैं शेष जीवन खुशी से जीऊंगी। - कान्तादेवी शर्मा, चूरु

- मैं इस शिविर में आकर जैन विश्व भारती के प्रति कृतज्ञ हूं, जिन्होंने इतना विलक्षण आध्यात्मिक आयोजन किया। मैंने यहां से जो सीखा है, सदैव कानों में गूंजता रहेगा। समणीवृन्द की एक-एक कक्षा मेरे लिये प्रेरणादायी रही। - लक्ष्मी मेहोरी, मुम्बई

- आसन-प्राणायाम, प्रेक्षाध्यान, मंत्र-प्रयोग एवं अनुप्रेक्षा के जो प्रयोग करवाये गये, उनका प्रस्तुतिकरण अत्यन्त प्रभावी एवं रुचिप्रद था। - अमरीश कुमार जैन, जयपुर

- यहां का सौन्दर्य, शान्ति, चारित्रात्माओं का सान्निध्य मेरे लिये अति आनन्ददायक था। ध्यान एवं योग कक्षाओं की व्यवस्था एवं प्रस्तुतिकरण अनुकरणीय था। - संगीता नाहटा, सूरत

- **जैन विश्व भारती तो मुझे पृथ्वी पर स्वर्ग लगा।** - कुसुम राठौड़, शिक्षाध्यापिका, महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, श्री जैन श्वेताम्बर मानव हितकारी संघ, रणावास

मैंने इस शिविर के दौरान ध्यान में जो अनुभव किया है, उसका वर्णन शब्दातीत है। इसे पुनः प्राप्त करने के लिये मैं आगामी शिविर की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रही हूँ। यद्यपि यह मेरा पांचवां शिविर है लेकिन इस बार मुझे आत्मिक अनुभव हुआ। - सज्जन सुराणा, कोयम्बटूर।

शिविर को सफल बनाने में जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्रीमान धरमचन्द लुंकड़, न्यासी एवं प्रेक्षा फाउण्डेशन के चैयरमेन श्री सुकनराज परमार, मंत्री श्री अरविन्द गोठी, न्यासी श्री रमेश बोहरा, शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय संयोजक श्री अमरचन्द लुंकड़, संचालिका समिति सदस्य श्री गणपतराज डागा, निदेशक श्री राजेन्द्र खटेड़ एवं दुबई क्षेत्र के संयोजक श्री राकेश बोहरा, दिल्ली से समागत सुश्री रश्मि सिंघी आदि का महत्त्वपूर्ण योगदान व उल्लेखनीय प्रयास रहा।

शिविर प्रशिक्षण क्रम में समणी मधुरप्रज्ञा, समणी कुसुमप्रज्ञा, समणी चारित्रप्रज्ञा, समणी मल्लिप्रज्ञा, डॉ. मोहनलाल दुगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने भी साधना के विविध पक्षों समता, सहिष्णुता, आत्मरता, अनासक्ति आदि विषयों पर प्रकाश डाला तथा छोटे-छोटे प्रयोग भी करवाये। प्रतिदिन संध्याकालीन गमनयोग के पश्चात मंगलभावना और जिज्ञासा समाधान का क्रम भी रहा जिसमें सभी शिविरार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं को समाहित किया। साधक श्री जीतमल गुलगुलिया, श्री हनुमान मल शर्मा, श्री महावीर प्रजापत, श्री रामदेव आलड़िया का प्रशिक्षण में एवं डॉ. विजयश्री शर्मा, श्री संजय बोथरा, श्रीमती सरिता सुराणा, श्रीमती सरला दुगड़, श्री बृजमोहन शर्मा, श्री मूलचन्द गुर्जर, श्री बाबूलाल गुर्जर, श्री भूराराम देवासी, श्री चंदनमल भोजक, श्री हनुमान दरोगा, श्री सुबीत मिश्रा सहित संपूर्ण कर्मचारियों का विभिन्न व्यवस्थाओं में सराहनीय योगदान रहा।

प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती द्वारा दिनांक 13-19 फरवरी 2015 को आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर में आयोजित 'योग प्रेक्षाध्यान शिविर' सानन्द सम्पन्न हुआ।

इस शिविर में देश के विभिन्न क्षेत्रों सहित विदेश की धरती दुबई और कनाडा से भी 1-1 शिविरार्थी उपस्थित हुए। शिविर में कुल 167 शिविरार्थियों में रावतावास बी.एड. कॉलेज की 59 छात्राएं एवं 2 शिक्षकगण शामिल थे। इस शिविर में मुम्बई से विप्रो में कार्यरत वैज्ञानिक श्री ललित मैसेरी, बैंगलोर से आदर्श कॉलेज के चैयरमेन श्री वी. प्रेमराज जैन भंसाली, दिल्ली से कॉरपोरेट ट्रेनर सुश्री रश्मि सिंघी, बीकानेर से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रामपाल चौधरी, सुजानगढ़ से

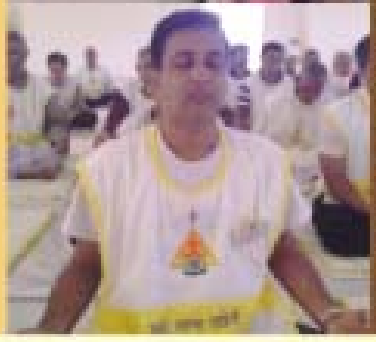

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुरजाराम बिरड़ा, रामसिंह हुड़ा (पाली) की सरपंच सुश्री कुसुम राठौड़, लाडनूं से लोक अभियोजक श्री आनन्द व्यास, सूरतगढ़ से तकनीकी अभियंता श्री दुर्जनसिंह राठौड़, चूरू जिला शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्री शंकरलाल गोपल, श्री राकेश बोहरा, दुबई सहित अनेक उच्च एवं उच्चतर शिक्षा प्राप्त व्यक्ति विशेष रूप से सहभागी बने।

समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी के निर्देशन में संचालित इस शिविर में समणी मधुरप्रज्ञाजी, समणी कुसुमप्रज्ञाजी, समणी मल्लिप्रज्ञाजी, समणी चारित्रप्रज्ञाजी, समणी अमितप्रज्ञाजी, समणी मृदुप्रज्ञाजी आदि समणीवृन्द का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। अनुप्रेक्षा के प्रयोग में मुनिश्री हिमांशुकुमारजी का सान्निध्य एवं प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी, समणी श्रेयसप्रज्ञाजी एवं समणी मृदुप्रज्ञाजी सात दिन तक प्रातःकाल से सायंकाल तक आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर में ही प्रवासित रहे एवं शिविर के विभिन्न कालांशों को सुव्यवस्थित स्वरूप देकर उसे सार्थक बनाया।

प्रशिक्षण में साधक श्री जीतमल गुलगुलिया, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, डॉ. रामदेव आलड़िया, श्री महावीर प्रजापत एवं श्री हनुमानमल शर्मा आदि का सहयोग रहा। शिविर की विभिन्न व्यवस्थाओं के नियोजन में जैन विश्व भारती के समस्त कर्मचारीगण का विशेष योगदान रहा।

प्रथम बार वृहद स्तर पर आयोजित यह मेगा प्रेक्षाध्यान शिविर काफी हद तक सफल रहा। आगन्तुक शिविरार्थियों ने समापन समारोह के अवसर पर प्रस्तुत अपने अनुभवों में प्रेक्षाध्यान को जीवन के रूपान्तरण में अत्यन्त उपयोगी बताया एवं यहां से प्राप्त ज्ञान एवं प्रयोगों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प व्यक्त किया। अनेक शिविरार्थियों ने पुनः यहां आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में भाग लेने की इच्छा जाहिर की।

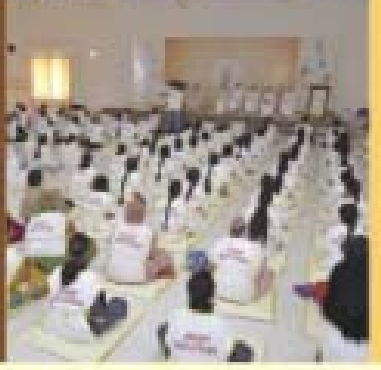

आचार्य तुलसी अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र के लिए
'प्रेक्षा कार्ड योजना'

प्रेक्षा प्लेटिनम कार्ड (सहयोग राशि रु. 1 लाख) :

कार्ड धारक को प्रदत्त सुविधाएं–

- आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र में प्रेक्षा फाउण्डेशन द्वारा आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में प्रतिवर्ष एक साप्ताहिक शिविर में कार्ड धारक एवं उसके साथ एक अन्य व्यक्ति को 20 वर्ष तक निःशुल्क सहभागिता प्रदान की जाएगी।
- स्वतंत्र वातानुकूलित आवास सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।
- सात्विक एवं शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।
- स्वयं के न आने पर यह सुविधा कार्ड धारक अपने किसी परिजन अथवा मित्रजन को हस्तान्तरित कर सकेगा।
- प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका प्रेक्षाध्यान की दस वर्षीय निःशुल्क सदस्यता।

प्रेक्षा गोल्डन कार्ड (सहयोग राशि रु. 50 हजार) :

कार्ड धारक को प्रदत्त सुविधाएं–

- आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र में फाउण्डेशन द्वारा आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में प्रतिवर्ष एक साप्ताहिक शिविर में कार्ड धारक को 20 वर्ष तक निःशुल्क सहभागिता।
- वातानुकूलित आवास सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।
- सात्विक एवं शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।
- स्वयं के न आने पर यह सुविधा कार्ड धारक अपने किसी परिजन अथवा मित्रजन को हस्तान्तरित कर सकेगा।
- प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका प्रेक्षाध्यान की दस वर्षीय निःशुल्क सदस्यता।

प्रेक्षा सिल्वर कार्ड (सहयोग राशि रु. 25 हजार) :

कार्ड धारक को प्रदत्त सुविधाएं–

- आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र में फाउण्डेशन द्वारा आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में प्रतिवर्ष एक साप्ताहिक शिविर में कार्ड धारक को 20 वर्ष तक निःशुल्क सहभागिता।
- आवास सुविधा (अटैच्ड) उपलब्ध कराई जायेगी।
- सात्विक एवं शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।
- स्वयं के न आने पर यह सुविधा कार्ड धारक अपने किसी परिजन अथवा मित्रजन को हस्तान्तरित कर सकेगा।
- प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका प्रेक्षाध्यान की त्रिवर्षीय निःशुल्क सदस्यता।

नोट :

- प्रेक्षा फाउण्डेशन द्वारा निर्धारित आचार संहिता धारक/शिविरार्थियों के लिए अनिवार्य रूप से पालनीय होगी।
- पुरुष एवं महिला शिविरार्थियों के लिए पृथक्-पृथक् आवास सुविधा उपलब्ध रहेगी।
- शिविर में सहभागिता हेतु दो माह पूर्व प्रेक्षा फाउण्डेशन को लिखित सूचना प्रेषित करनी होगी।
- शिविरार्थियों की निर्धारित संख्या एवं स्थान की उपलब्धता के अनुसार शिविर हेतु प्राथमिकता के आधार पर सहभागिता की स्वीकृति प्रदान की जाएगी।
- यह कार्ड/सदस्यता अहस्तान्तरणीय होगी।

MZ ;kstuk ds vf/kd ls vf/kd lnL; cudj çs{kk/;ku ds ek/;e ls vius thou esa :ikUrj.k dk vuqH

धरमचन्द लुंकड़, अध्यक्ष	सुकनराज परमार, चेयरमैन, प्रेक्षा फाउण्डेशन	प्यारेलाल पितलिया, मुख्य न्यासी	अरविन्द गोठी, मंत्री
(9840166699)	(9444797775)	(9841036262)	(9810114949)

चतुर्थ चरण कार्यक्रम (दिनांक 26 सितम्बर 2014, लाडनूं)

जैन विश्व भारती एवं तेरापंथी सभा, लाडनूं के संयुक्त तत्वावधान में मुनिश्री विजयराजजी एवं मुनिश्री मोहनलालजी 'शार्दुल' के सान्निध्य में सुधर्मा सभा में आयोजित कार्यक्रम में मंचस्थ मुनिवृन्द तथा उपस्थित श्रावक-श्राविकाएं

तुलसी भजन संध्या

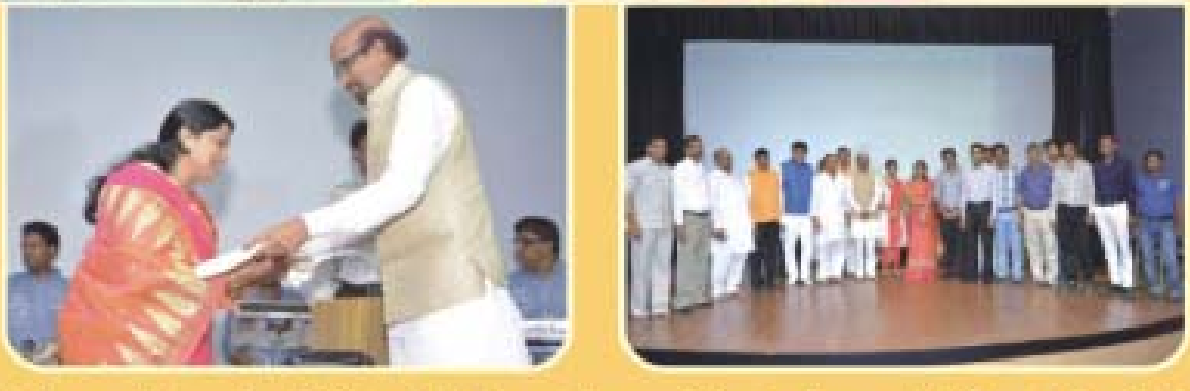

जैन विश्व भारती संस्थान के ऑडिटोरियम में जैन विश्व भारती द्वारा आयोजित '**तुलसी भजन संध्या**' में आचार्य श्री तुलसी को सादर श्रद्धा समर्पित करती हुई सुप्रसिद्ध संगायिका श्रीमती मिताक्षी भूतोड़िया, संयोजन करते हुए श्री पन्नालाल पुगलिया, श्रीमती मिताक्षी भूतोड़िया का सम्मान करते हुए अध्यक्ष श्री धरमचन्द तुंकड़ एवं समारोह में उपस्थित श्रद्धालुगण

आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र के नवनिर्मित भवन की झलकियां

आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र के नवनिर्मित भव्य भवन के अवशिष्ट निर्माण कार्य की सम्पूर्णता के पश्चात् भवन की मनमोहक झलकियां

परिसर सौन्दर्यीकरण

परिसर स्थित साईन बोर्ड एवं इंडिकेटर का नवीनीकरण

बिजली की बचत के उद्देश्य से परिसर में 30 सोलर लाईट की व्यवस्था

सम्पूर्ण परिसर में समुचित बिजली व्यवस्था एवं बिजली व्यय में कटौती हेतु पुरानी लाईट्स के स्थान पर नयी एल.ई.डी. लाईट्स की सुव्यवस्था

परिसर सौन्दर्यीकरण

परिसर स्थित सभी भवनों पर एकरूपता की दृष्टि से समान रंग-रोगन का कार्य

उद्यानों का सौन्दर्यीकरण

परिसर को हरियाली से आच्छादित एवं मनोरम बनाने हेतु नये पौधों के साथ परिसर हरितिकरण के बारे में विचार-विमर्श करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़ एवं न्यासी श्री भागचंद बरड़िया

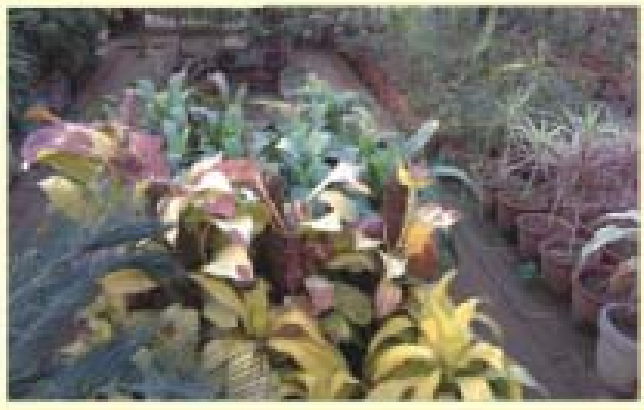

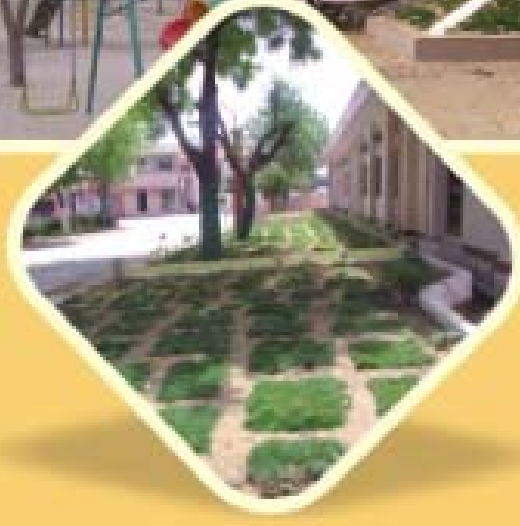

उद्यानों का सौन्दर्यीकरण

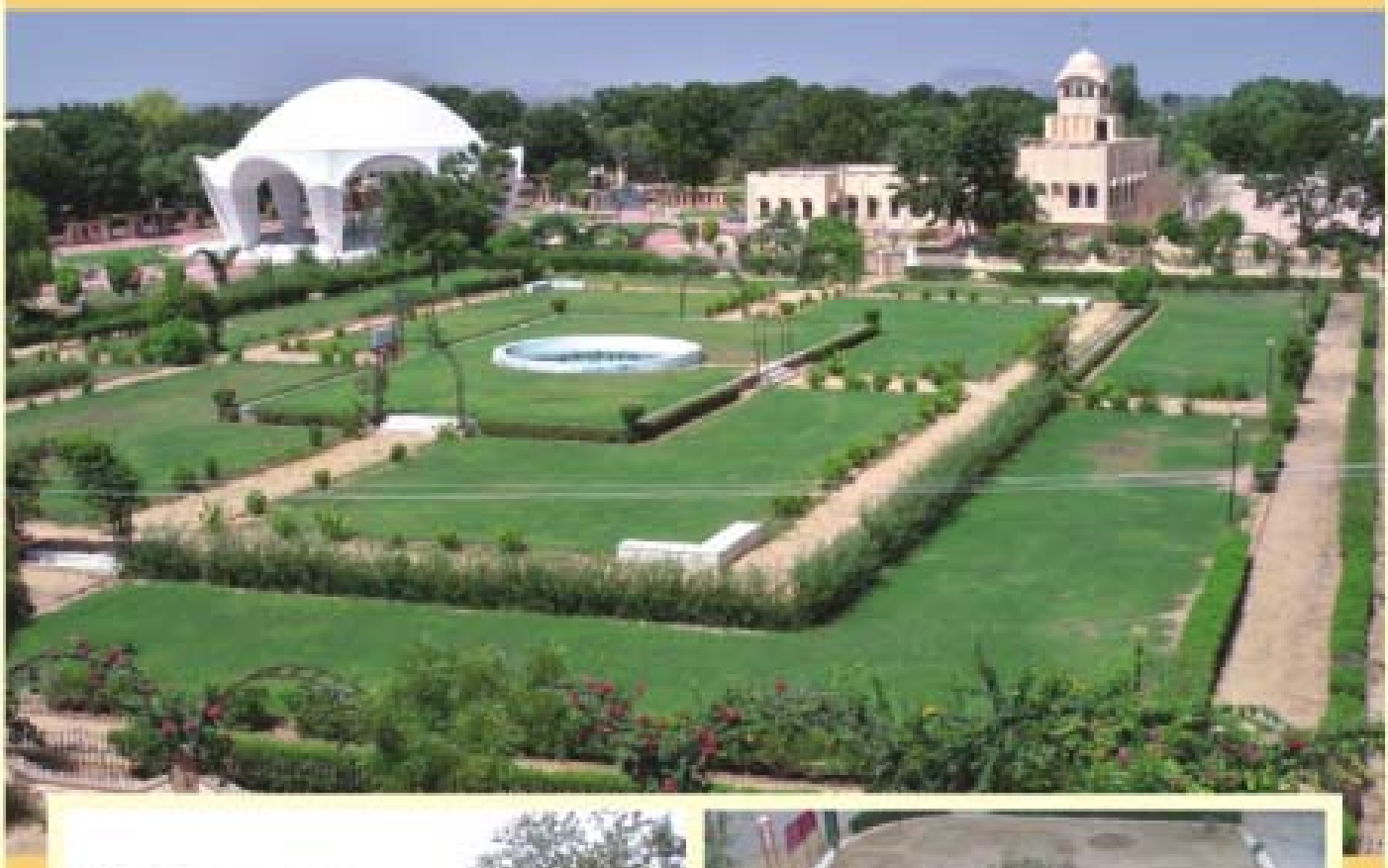

परिसर स्थित विभिन्न
उद्यानों के सौंदर्यीकरण एवं
नवीनीकरण के पश्चात् मनोरम दृश्य

सुरक्षा व्यवस्था का दुरूस्तीकरण

परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने हेतु जगदीर सिक्योरिटी एजेन्सी के साथ अनुबंध एवं नव नियुक्त समस्त सुरक्षा प्रहरी सेना से सेवानिवृत सैनिक

परिसर में विमल विद्या विहार की तरफ एक नये प्रवेश द्वार पर सुरक्षा की दृष्टि से सिक्योरिटी हट का निर्माण

परिसर की काफी समय से लंबित चारदिवारी को परिसर सुरक्षा की दृष्टि से ऊंचा करने का कार्य सम्पन्न

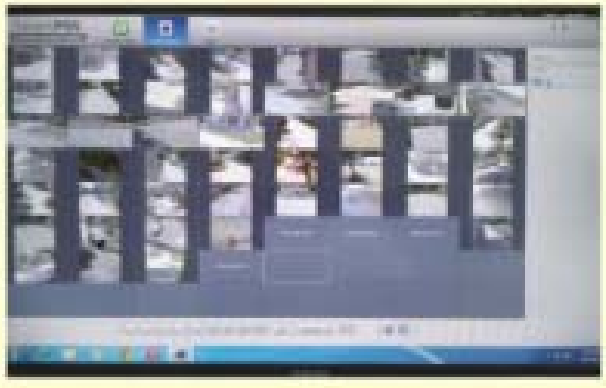

सम्पूर्ण परिसर में सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था, लगभग 200 कैमरों से सुरक्षा घेरे में सम्पूर्ण परिसर कंट्रोलरूम में समस्त कैमरों की मॉनिटरिंग

मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग का गठन

श्री महावीर बी. सेमलानी
राष्ट्रीय संयोजक

जैन विश्व भारती के व्यापक स्वरूप को उजागर करने हेतु मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग का गठन तथा श्री महावीर बी. सेमलानी को राष्ट्रीय संयोजक व श्री संजय वेदमेहता को राष्ट्रीय सह-संयोजक का दायित्व प्रदत्त।

श्री संजय वेदमेहता
राष्ट्रीय सह-संयोजक

जैन विश्व भारती के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग तथा सोशल मीडिया के बारे में परमपूज्य आचार्यप्रवर को जानकारी निवेदित करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचन्द लुंकड़, मीडिया एवं प्रचार-विभाग के राष्ट्रीय संयोजक श्री महावीर सेमलानी, राष्ट्रीय सह-संयोजक श्री संजय वेदमेहता एवं साथ में है जैन विश्व भारती के न्यासी श्री रमेशचन्द बोहरा

जैन विश्व भारती के फेसबुक पेज का निर्माण। हजारों लोगों द्वारा पेज को लाइक किया जाना संस्था के प्रति लोगों की रुचि को दर्शाता है

जैन विश्व भारती के अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक की नियुक्ति

विदेशों में जैन विश्व भारती की गतिविधियों के
प्रचार-प्रसार हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक के रूप में
श्री राकेश बोहरा, दुबई को नियुक्ति प्रदत्त

स्वच्छ परिसर : स्वस्थ परिसर

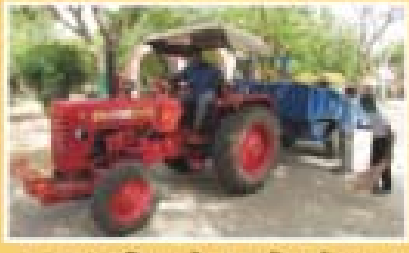

स्वच्छ परिसर : स्वस्थ परिसर के ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए परिसर में स्वच्छता अभियान को प्रारम्भ करते हुए जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण

स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत पूर्व व्यवस्था में अपेक्षित परिवर्तन, नये सफाईकर्मियों की नियुक्तियां एवं कचरे के निस्तारण हेतु एक नये ट्रेक्टर-ट्रॉली की व्यवस्था

परिसर की सफाई व्यवस्था को निरन्तर बनाये रखने हेतु विभिन्न स्थानों पर कचरा पात्र स्थापित

प्रबंधन की जागरूकता एवं कर्मचारीगण के श्रम से परिसर बना स्वच्छ, सुन्दर एवं मनोरम

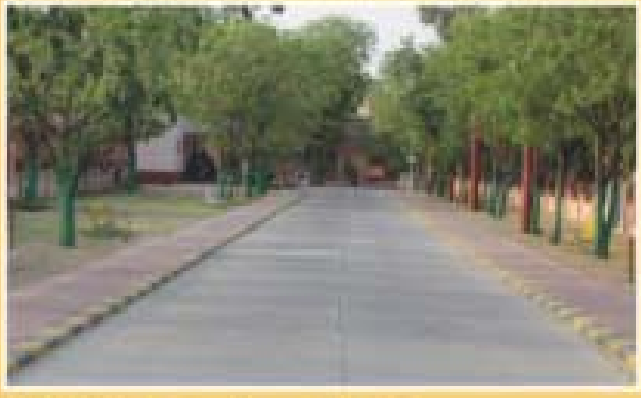

कर्मचारी प्रोत्साहन परियोजना

कर्मचारियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा कार्यप्रणाली में सुधार की दृष्टि से प्रोत्साहन स्वरूप नवम्बर 2014 से 'कर्मचारी प्रोत्साहन परियोजना' का शुभारम्भ

श्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारियों में से चयनित कर्मचारी प्रतिमाह क्रमशः रु. 5000/-, 3000/- एवं 2000/- के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत

नवम्बर 2014 के पुरस्कृत कर्मचारी

प्रथम पुरस्कार : श्री भूराराम देवासी (आदेशपाल, परिसर)
द्वितीय पुरस्कार : श्री संपतराज खटेड़ (सहायक परिसर व्यवस्थापक)
तृतीय पुरस्कार : परिसर में कार्यरत चार महिला सफाईकर्मी (संयुक्त रूप से)

दिसम्बर 2014 के पुरस्कृत कर्मचारी

प्रथम पुरस्कार : रसोईया श्री हनुमान सिंह, श्री मालसिंह गौड़ एवं श्री बुधाराम (संयुक्त रूप से)
द्वितीय पुरस्कार : श्री अमीलाल बाहर (व्यवस्थापक, पंजाब भवन एवं वर्धा-संजय सदन)
तृतीय पुरस्कार : श्री चंदनमल भोजक (व्यवस्थापक, भोजन शाला)

न्यास मण्डल एवं संचालिका समिति की बैठकें

न्यास मण्डल की बैठकें

प्रथम बैठक : 25 सितम्बर 2014, लाडनूं

द्वितीय बैठक : 11 अक्टूबर 2014, दिल्ली

तृतीय बैठक : 7 दिसम्बर 2014, चेन्नई

चतुर्थ बैठक : 14 फरवरी 2015, लाडनूं

संचालिका समिति की बैठकें

प्रथम बैठक : 11 अक्टूबर 2014, दिल्ली

द्वितीय बैठक : 1 जनवरी 2015, ग्वालियर

तृतीय बैठक : 14 फरवरी 2015, ताडनूं

द्विदिवसीय चिंतन संगोष्ठी

15-16 नवम्बर 2014, ताडनूं

सम्य-समय पर आयोजित बैठकों में संस्था के विकास हेतु चर्चा, चिंतन एवं विचार-विमर्श करते हुए
जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण, न्यासीगण, संचालिका समिति सदस्यगण, परामर्शकगण एवं
विशेष आमंत्रित सदस्यगण

विभिन्न संस्थाओं के साथ सहयोग व समन्वय के बढ़े कदम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के साथ बढ़ाया सहयोग का हाथ

अखिल भारतीय तेरापंथ मण्डल के पदाधिकारीगण का जैन विश्व भारती सचिवालय में सम्मान

जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण का अखिल भारती तेरापंथ महिला मण्डल के भवन 'रोहिणी' में सम्मान

लाडनूं ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों के लिए ज्ञानशाला किट तेरापंथ महिला मण्डल, लाडनूं की पदाधिकारी बहिनों को भेंट करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष व पदाधिकारीगण

तेरापंथ महिला मण्डल, जयपुर द्वारा आयोजित 'स्वच्छ भारत अभियान' के शुभारम्भ के अवसर पर सहभागिता करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं न्यासी

पारमार्थिक शिक्षण संस्था के ६६वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान परिवार की वृहद् स्तर पर सहभागिता

जैन विश्व भारती संस्थान स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली मुमुक्षु बहिनें एवं उपस्थित साध्वीवृंद, समणीवृंद, मुमुक्षुवृंद तथा जैन विश्व भारती व संस्थान परिवार (दिनांक 18 फरवरी 2015)

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला को सहयोग का संकल्प

जैन विश्व भारती परिसर में संचालित सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए एवं उनके प्रचार-प्रसार तथा रसायनशाला की प्रगति का संकल्प लेते हुए जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण

'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी एवं मुनिश्री मोहजीत कुमार जी आदि मुनिवृंद का जैन विश्व भारती में पदार्पण

आचार्यश्री महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती 'शासनश्री' मुनिश्री सुखलालजी के संरक्षण में मुनिश्री मोहजीत कुमार जी आदि मुनिवृंद के जैन विश्व भारती वृद्ध संतों के सेवा केन्द्र में चाकरी हेतु पदार्पण के अवसर पर जैन विश्व भारती प्रवेश द्वार पर मुनिवृंद को अभिवंदना करते हुए जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री जीवनमल जैन (मालू) एवं इस अवसर पर आयोजित अभिनंदन समारोह में मंचस्थ मुनिवृंद तथा उपस्थित श्रद्धालुजन

स्थानकवासी संप्रदाय के उपाध्याय मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी का जैन विश्व भारती में शुभागमन

स्थानकवासी संप्रदाय के उपाध्याय मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी आदि दस संतों एवं सात साध्वियों के जैन विश्व भारती में शुभागमन पर अभिनंदन करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़

संतपुरूषों का जैन विश्व भारती में शुभागमन

श्री सिद्ध शक्ति पीठ शनिधाम, दिल्ली के पीठाधीश्वर
श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर परमहंस दाती महाराज का जैन विश्व भारती में शुभागमन

आचार्यश्री तुलसी को श्रद्धासुमन समर्पित करते हुए महामण्डलेश्वर परमहंस दाती महाराज एवं इस अवसर पर उपस्थित समणीवृंद तथा जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़ सहित अन्य पदाधिकारीगण, न्यासीगण, गणमान्य महानुभाव

महामंडलेश्वर जी को मोमेन्टो व साहित्य भेंट कर सम्मान करते हुए जैन विश्व भारती के कुलपति श्री बच्छराज नाहटा, अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़, मंत्री श्री अरविन्द गोठी आदि पदाधिकारीगण एवं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुरज बरड़िया

परिसर स्थित आचार्य तुलसी स्मारक पर प्रतिदिन सामूहिक जप का क्रम प्रारम्भ। इस अवसर पर उपस्थित समणीवृंद, मुमुक्षु बहिनें, जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण, टीम के सदस्य, जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान के कर्मीगण

सेवा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लाडनूं नगर के जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित करते हुए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़ एवं न्यासी श्री रमेशचंद बोहरा

परिसर में पानी की सुलभता एवं यथा आवश्यकता आपूर्ति हेतु पानी के टैंकर का क्रय

जैन विश्व भारती परिसर में आगन्तुक अतिथियों एवं वृद्धजनों की सुविधार्थ बैट्री चालित दो ऑटो रिक्शा की व्यवस्था

प्रवर्धित परिवार

जैन विश्व भारती के नए सदस्य

विशिष्ट सदस्य

क्र.सं.	नाम	स्थान
1	श्री राकेश बोहरा	चेन्नई
2	श्री रमेशचंद सुराणा	कोयम्बटूर
3	श्री अशोक जैन मरलेचा	पुणे
4	श्री बी. केवलचंद मांडोत	चेन्नई
5	श्री एम. महावीरचंद गादिया	बैंगलोर
6	श्री पी. मोहन जैन गादिया	बैंगलोर
7	श्री एम. भंवरलाल लुंकड़	चेन्नई
8	श्री पुखराज बढ़ौला	चेन्नई
9	श्रीमती एस. माला कातरेला	चेन्नई
10	श्री एन. तेजराज जैन पुनमिया	चेन्नई
11	श्री निर्मल जैन	ठाणे
12	श्री जेठमल मेहता	दिल्ली
13	श्री संजय भंसाली	सूरत
14	श्री संजय कोठारी	रायपुर
15	श्री गौतमचंद समदड़िया	चेन्नई
16	श्री विमल कटारिया	बैंगलोर
17	श्री विमलचंद रूणवाल	जयसिंगपुर
18	श्री विजयराज	चेन्नई
19	श्री एम. महावीरचंद राठौड़	चेन्नई
20	श्री शांतिलाल संकलेचा	सूरत
21	श्री राजकुमार नाहटा	दिल्ली
22	श्री अमित लक्ष्मीपत बैद	अजमान (यूएई)
23	श्री विजयराज जैन	ठाणे

आजीवन सदस्य

क्र.सं.	नाम	स्थान
1	श्री शांतिलाल जैन	भुज
2	श्री पांची जैन	दिल्ली
3	श्री राजकरण बैद	चेन्नई
4	श्री आर. विनोद कुमार धोका	चेन्नई
5	श्री बी. एन. अजितराज छल्लाणी	बैंगलोर
6	श्री एन. श्रीचंद छल्लाणी जैन	मयलादुथुराई
7	श्री विनोद बैद	दिल्ली
8	श्री सुशील बोथरा	दिल्ली
9	श्री पन्नालाल बैद	दिल्ली
10	श्री अशोक संचेती	दिल्ली
11	श्री नरेन्द्र पोसल	दिल्ली
12	श्री आनंद बुच्चा	दिल्ली
13	श्री सुनील भंसाली	दिल्ली
14	श्री पुखराज बैद	दिल्ली
15	श्री देवेन्द्र कोचर	दिल्ली
16	श्री श्रेयांस बढ़ौला	चेन्नई
17	श्री जितेन्द्र बढ़ौला	चेन्नई
18	श्री मुकेश बढ़ौला	चेन्नई
19	श्री जे. पैरूलाल जैन	चेन्नई
20	श्री रमेश कुमार पटावरी	इरोड
21	श्री प्रमोद जैन	बरवाला
22	श्री संजयकुमार पारसमल वेदमेहता	ईचलकरंजी
23	श्री महावीर बी. सेमलानी	सूरत
24	श्री प्रवीण बरड़िया	लाडनूं
25	श्री अभिषेक कोठारी	फरीदाबाद
26	श्री शांतिलाल गोलछा	जयपुर
27	श्री विजयचंद पोखरणा	जयसिंगपुर
28	श्री ऋषभ जैन (बैद)	दिल्ली
29	श्री गौरव भंसाली	मुंबई
30	श्री शुभकरण बोथरा	दिल्ली
31	श्री पुखराज दक	भीम
32	श्री कमल कुमार प्रसन्नचंद जैन	दाहोद
33	श्री कन्हैयालाल सेठिया	अहमदाबाद
34	श्री छत्तरसिंह बोथरा	अहमदाबाद
35	श्री दिनेश कुमार डूंगरवाल	दिल्ली
36	श्री संजय कुमार भूतोड़िया	दिल्ली
37	श्री सुरेश कुमार सेठिया	दिल्ली
38	श्री बाबूलाल दूगड़	दिल्ली
39	श्री अरिहंतराज पारख	कोलकाता
40	श्रीमती आशा सिंघवी	जोधपुर
41	श्री धनेश दूगड़	चेन्नई
42	श्री प्रमोद देवीलाल छाजेड़	नवी मुंबई
43	श्री दिनेश कुमार कोठारी	दुबई
44	श्री तरुण कुमार जैन	अजमेर
45	श्री अशोक सुराणा	बैंगलोर
46	श्री माणिकलाल एस.	बैंगलोर

क्र.सं.	नाम	स्थान
47	श्री दीपेश दूगड़	जयपुर
48	श्री अशोक कुमार खतंग	चेन्नई
49	श्री राकेश डागा	चेन्नई
50	श्री विकास बैद	जयपुर
51	श्री प्रकाश पींचा	जयपुर
52	श्री अजित बरड़िया	जयपुर
53	श्री सुदीप लुनिया	जयपुर
54	श्री प्रमोद कुमार जैन	रायपुर
55	श्री अलंकार डी. आच्छा	चेन्नई
56	श्री राजेश कुमार डोसी	चेन्नई
57	श्री दिलीप कुमार नाहर	चेन्नई
58	श्री जी. प्रतीक सेठिया	चेन्नई
59	श्रीमती पी. निर्मला जैन	चेन्नई
60	श्री पी. प्रमोद जैन	चेन्नई
61	श्री पंकज डागा	चेन्नई
62	श्री प्रकाश फूलफगर	चेन्नई
63	श्री राहुल सुराणा	चेन्नई
64	श्री राजेश कुमार दूगड़	चेन्नई
65	श्रीमती वी. कलावती	चेन्नई
66	श्री प्रकाशचंद लोढ़ा	बैंगलोर
67	श्री ज्ञानचंद आंचलिया	सिरकाली
68	श्री डी. प्रतीक जैन	चेन्नई
69	श्री मनीष दूगड़	चेन्नई
70	श्री राजीव नागौरी	जयपुर
71	श्री दीपक सुराणा	अहमदाबाद
72	श्री एम. रविन्द कुमार कातरेला	चेन्नई
73	श्री एम. कमल कुमार कातरेला	चेन्नई
74	श्रीमती गुलाबदेवी बैद	दिल्ली
75	श्री अभय जैन	दिल्ली
76	श्री आलोक जैन	दिल्ली
77	श्री अभिषेक जैन	दिल्ली
78	श्री लोकेश बैद	दिल्ली
79	श्री सचिन बच्छावत	जयपुर
80	श्री मांगीलाल डागा	गुवाहाटी
81	श्री प्रेमराज बम्बोली	लुधियाना
82	श्री विनोद कुमार भंसाली	बैंगलोर
83	श्री मानमल मुथा	दुबई
84	श्री डी. पारसमल	बैंगलोर
85	श्री ललित मुथा	दुबई
86	श्री आदर्श ए. जैन	बैंगलोर
87	श्री प्रीतेश सेठिया	कोलकाता
88	श्री चंद्रप्रकाश गोलछा	कोलकाता
89	श्री अनिल कुमार पुगलिया	बैंगलोर
90	श्री अरविन्द नाहर	लाडनूं

आगामी कार्यक्रम

कार्यक्रम	दिनांक	स्थान
जैन विश्व भारती : न्यास मण्डल पंचम बैठक	6 जून 2015	ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम, पैलेस रोड, बैंगलोर
जैन विश्व भारती : संचालिका समिति चतुर्थ बैठक	6 जून 2015	ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम, पैलेस रोड, बैंगलोर
जैन विश्व भारती संस्थान		
रजत जयन्ती वर्ष समारोह : द्वितीय चरण	20 मई 2015	कामराज मेमोरियल हॉल, चेन्नई
रजत जयन्ती वर्ष समारोह : तृतीय चरण	06 जून 2015	ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम, पैलेस रोड, बैंगलोर
प्रेक्षा फाउण्डेशन		
प्रेक्षाध्यान शिविर	12-19 जुलाई 2015	जैन विश्व भारती, लाडनूं
प्रेक्षाध्यान शिविर	09-16 अगस्त 2015	जैन विश्व भारती, लाडनूं
प्रेक्षाध्यान शिविर	21-28 सितम्बर 2015	जैन विश्व भारती, लाडनूं
प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर	01-09 अक्टूबर 2015	आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, विराटनगर (नेपाल)
प्रेक्षा अधिवेशन	09-10 अक्टूबर 2015	आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, विराटनगर (नेपाल)
प्रेक्षाध्यान शिविर	13-22 अक्टूबर 2015	जैन विश्व भारती, लाडनूं
समण संस्कृति संकाय		
आंचलिक संयोजक कार्यशाला	25 जुलाई 2015	आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, विराटनगर (नेपाल)
जैन विद्या दीक्षान्त समारोह एवं जैन विद्या कार्यशाला पुरस्कार वितरण समारोह	26 जुलाई 2015	आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, विराटनगर (नेपाल)
जैन विद्या दिवस	2 अगस्त 2015	संपूर्ण देश में
जैन विद्या सप्ताह	3 अगस्त से 9 अगस्त 2015	संपूर्ण देश में
जैन विद्या कार्यशाला	10 अगस्त से 24 अगस्त 2015	संपूर्ण देश में (निर्धारित केन्द्रों पर)
जैन विद्या कार्यशाला परीक्षा	30 अगस्त 2015	संपूर्ण देश में "
जैन विद्या परीक्षा	10 व 11 अक्टूबर 2015	संपूर्ण देश में "